मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 268
शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

परिसीमन पर पीएम मोदी बोले- उत्तर-दक्षिण किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि परिसीमन प्रक्रिया में राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं होगा, चाहे वे उत्तर, दक्षिण, बड़े या छोटे हों। परिसीमन विधेयक पर विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया कि इस प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह आश्वासन दिया कि कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई अन्याय नहीं होगा। मोदी ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर चर्चा के लिए आयोजित संसद के विशेष सत्र के दौरान कहा कुछ लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए गड़बड़ी पैदा कर रहे हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे उत्तर हो या दक्षिण, इस प्रक्रिया में किसी तरह का भेदभाव या अन्याय नहीं होगा।

इसके साथ ही मोदी ने कहा कि मैं वादा कर सकता हूं और गारंटी दे सकता हूं; अगर आप गारंटी शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा, अगर आप वादा शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा। उन्होंने कहा कि भूतकाल में जो सरकार रही, जिनके काल में जो परिसीमन हुआ, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा, और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। अगर गारंटी चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा चाहिए तो वादा देता हूं... क्योंकि अगर नीयत साफ है, तो शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है।

मोदी ने कहा कि हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं... जी नहीं! उसका हक ?है। हमने कई दशकों से रोका हुआ है। आज उसका प्रायश्चित कर उस पाप से मुक्ति पाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा, लेकिन अगर साथ चलेंगे तो किसी को कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही ये पारित हो जाए, मैं कल विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद करने को तैयार हूं, सबकी फोटो छपवाने को तैयार हूं। क्रेडिट आप ले लो... आपको जिसकी फोटो छपवानी है, मैं सरकारी खर्चे से छपवाने को तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि देश में करीब 650+ जिला पंचायतें हैं। करीब पौने तीन सौ महिलाएं उसका नेतृत्व करती हैं। एक कैबिनेट मीनिस्टर से ज्यादा जिम्मेदारी होती है उन पर, काम करती हैं वो।

करीब 6,700 ब्लॉक पंचायतों में से करीब 2700 से अधिक ब्लॉक पंचायतें ऐसी हैं, जिनका नेतृत्व महिलाओं के हाथ में हैं। आज देश में 900+ शहरों में अर्बन लोकल बॉडीज की हेड के रूप में बहनें कार्यरत हैं। मैं मानता हूं, आज देश जो प्रगति कर रहा है, इनका भी महत्वपूर्ण योगदान है, इस ऋण को हमें स्वीकार करना चाहिए।

विपक्ष ने नहीं उतारा उम्मीदवार, राज्यसभा में हरिवंश का फिर उपसभापति बनना लगभग तय

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। हरिवंश, जिनका कार्यकाल इस महीने की शुरूआत में समाप्त हो गया था, राज्यसभा के उपसभापति थे और अब उच्च सदन के लिए मनोनीत होने के बाद वे इस भूमिका को फिर से निभाएंगे। सूत्रों के अनुसार, हरिवंश उपसभापति के रूप में पुनः निर्वाचित होंगे, क्योंकि विपक्ष द्वारा 26 अप्रैल को दोपहर 12 बजे की समय सीमा से पहले कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। चुनाव सर्वसम्मति से होने की संभावना है।

सदन के नेता जेपी नड्डा द्वारा हरिवंश के चुनाव का प्रस्ताव रखा गया है, जिसका भाजपा सदस्य एस फांग्नोन कोन्यक ने समर्थन किया है। इस प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित किए जाने की संभावना है। इसके बाद, अध्यक्ष एसपी राधाकृष्णन हरिवंश को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित करेंगे। सूत्रों के अनुसार, स्थापित परंपरा के अनुसार, हरिवंश को सत्ता पक्ष के एक सदस्य (संभवतः सदन के नेता) और विपक्ष के एक सदस्य (संभवतः विपक्ष के नेता) द्वारा अध्यक्ष पद तक ले जाया जाएगा। हरिवंश ने गुरुवार को उपाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। संसद के उच्च सदन में कार्य संचालन और प्रक्रिया नियमों के नियम 7 के तहत शुक्रवार को उपसभापति का चुनाव होने की संभावना है। सदन में कागजात प्रस्तुत किए जाने के बाद सुबह 11 बजे से आधिकारिक कार्यवाही शुरू होने का कार्यक्रम है। हरिवंश का राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अगले दिन उन्हें सदन के लिए मनोनीत किया। 2018 से हरिवंश उपसभापति के रूप में कार्यरत हैं, मूल रूप से वे जेडीयू सदस्य के रूप में चुने गए थे।

टीएमसी ने पैदा किया पहचान का संकट, खत्म होगा माफिया राज: योगी

कोलकता, 16 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान में एक रैली के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में पहचान के संकट, गुंडागर्दी, अपराध और माफिया के बारे में बात की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं आप लोगों से अपील करने आया हूँ। उन लोगों से, जिनकी वजह से बंगाल पिछले 15 सालों से पहचान के संकट का सामना कर रहा है। जिन्होंने बंगाल को आतंक, माफिया राज, रंगदारी और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है कि अब टीएमसी की कोई जरूरत नहीं है। इन लोगों ने आम जनता, युवाओं, और हमारी बेटियों और बहनों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। इन्हीं की वजह से माफिया पनपा है। इस माफिया वाली प्रवृत्ति को बीजेपी खत्म करेगी। यही बीजेपी का संकल्प है।

रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने जनता को याद दिलाया कि नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। उन्होंने कहा, श्यहाँ आप जो अराजकता देख रहे हैं—डर का माहौल, दंगे, माफिया का राज, और विकास के लिए आए पैसों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार ठीक ऐसी ही गंभीर स्थिति नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी थी।

उन्होंने बताया कि कैसे नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में अपराध और गुंडागर्दी अपने चरम पर थी। नौ साल पहले, हर दूसरे या तीसरे दिन दंगे होते थे।

कोई त्योहार या उत्सव नहीं मनाया जा सकता था। बहनें और बेटियाँ सुरक्षित नहीं थीं, गुंडागर्दी अपने चरम पर थी, अपराध बेकाबू था, माफिया का बोलबाला था, और जन कल्याण व विकास के लिए आए पैसों की लूट होती थी। इसका सिर्फ.एक ही इलाज है, और वह है 'डबल इंजन' वाली बीजेपी सरकार। सीएम योगी ने आगे कहा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी जो सपना देखा था, वह आज हमारे पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा हो गया है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है। कश्मीर में भी अब भारतीय कानून उसी तरह लागू होता है, जैसे बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में होता है।

तमिलनाडु चुनाव में विजय का मास्टरस्ट्रोक, महिलाओं को 2500 और 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का वादा

तमिलनाडु, 16 अप्रैल। तमिलगा वेट्टी कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने गुरुवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा की गई है। घोषणापत्र जारी करते हुए विजय ने कहा कि टीवीके ने ईमानदार प्रशासन को अपनी विचारधारा बनाया है। इसीलिए हम कहते हैं कि हमारी पार्टी का पहला चुनावी घोषणापत्र भी ईमानदारी का आश्वासन है। हम स्टालिन की तरह लोगों को गुमराह नहीं करेंगे। हम जनता से खोखले वादे करने वाला कोई जल्दबाजी में जारी किया गया घोषणापत्र नहीं बना रहे हैं। हमने कहा था ना कि डीएमके और बाकी सब एक जैसे हैं?

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा जारी किए गए चुनावी घोषणापत्रों को लीजिए और उनकी तुलना कीजिए। अगर एक-दो बिंदु मिलते-जुलते होते तो ठीक था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्होंने क्या किया है? अगर एक पार्टी 10,000 रुपये का वादा करती है, तो दूसरी 8,000 रुपये का कूपन देती है। अगर एक पार्टी फ्रिज देने का वादा करती है, तो दूसरी फ्रिज खरीदने के लिए टोकन देती है... इस तरह दोनों ने एक ही चुनावी घोषणापत्र पेश किया है, बस नाम और रंग बदल दिए हैं... ये सिर्फ एक ही छत्र के नीचे विचारधाराओं के समूह हैं। लेकिन हम इन दो भ्रष्ट समूहों की तरह जनता को कभी धोखा नहीं देंगे। विजय ने अपने प्रमुख वादों के तहत कहा कि 60 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि की महिलाओं की सहायता के लिए, टीवीके प्रमुख ने विवाह संबंधी सहायता का भी वादा किया, जिसमें 8 ग्राम सोना और एक उत्तम गुणवत्ता वाली रेशमी साड़ी शामिल है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंत्रालय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वविद्यालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शहर की स्थापना का भी वादा किया और सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार मुक्त और कुशल शासन का आश्वासन दिया।

इजराइल और लेबनान के बीच 10 दिनों का सीजफायर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी जानकारी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी-अभी मेरी लेबनान के अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजराइल के प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के साथ बहुत ही बेहतरीन बातचीत हुई। इन दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि अपने देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए, वे एरळ समय के अनुसार शाम 5 बजे से औपचारिक रूप से 10 दिनों के लिए 'सीजफायर' (युद्धविराम) शुरू करेंगे।

मंगलवार को, 34 वर्षों में पहली बार, इन दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने यहां वाशिंगटन, ऊउ. में हमारे महान विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ मुलाकात की। मैंने उपराष्ट्रपति खऊ वेंस और विदेश मंत्री रूबियो को, 'जॉइंट चीफ़्स ऑफ स्टाफ' के चेयरमैन डैन रेज़िन केन के साथ मिलकर, इजराइल और लेबनान के साथ काम करने का निर्देश दिया है।

मिडल ईस्ट तनाव के बीच ताकत दिखा रहा कंगाल पाकिस्तान, स्वदेशी एंटी-शिप मिसाइल का किया परीक्षण

पाकिस्तान, 16 अप्रैल। पाकिस्तान की नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित जहाज से दागी जाने वाली एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह विस्तारित दूरी पर लक्ष्यों को सटीकता से निशाना बनाने में सक्षम है। सेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि मिसाइल अत्याधुनिक मार्गदर्शन प्रणाली और उन्नत गतिशीलता से लैस है। यह प्रणाली इसे ''खतरों से बचने, बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने और सटीकता के साथ वार करने'' में सक्षम बनाती है।

बयान में कहा गया, ''पाकिस्तान नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित और जहाज से दागी जाने वाली एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया और लंबी दूरी पर उच्च गति के साथ सटीक रूप से अपने लक्ष्य को भेदा।'' इसमें कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर विकसित मिसाइल का सफल प्रक्षेपण ''तकनीकी उत्कृष्टता और परिचालन विशेषज्ञता के एकीकरण' को रेखांकित करता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने प्रमुख वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ मिसाइल प्रक्षेपण देखा। इस मिसाइल का पिछला परीक्षण पिछले साल नवंबर में किया गया था। आईएसपीआर ने कहा कि यह हथियार प्रणाली समुद्र और जमीनी दोनों लक्ष्यों को ''बेहद सटीकता'' के साथ भेदने में सक्षम है।

क्या यही है टीम इंडिया का अगला 'विराट', 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर ललित मोदी का सबसे बड़ा दावा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट हमेशा से प्रतिभाओं की नर्सरी रहा है। हमारे देश के मैदानों में हर दिन कोई न कोई स्टार का पौधा उगता है। पुष्पित और पल्लवित होता है। अंत में अपने प्रदर्शन से पूरे देख को महका देता है।

क्रिकेट यहां सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक गहरी भावना है। भारत में इन दिनों आईपीएल का 19वां सीजन खेला जा रहा है। इसमें युवा वैभव सूर्यवंशी एक से बड़े एक पारियां खेल रह हैं। इन्हें देखकर क्रिकेट के बड़े-बड़े दिग्गज भी दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हैं।

महज 15 साल के वैभव की प्रतिभा इतनी अद्भुत है कि इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी भी उनके मुरीद हो गए हैं और

उन्होंने इस खिलाड़ी को लेकर एक बेहद रोमांचक भविष्यवाणी की है। ललित मोदी का दृढ़ विश्वास है कि वैभव सूर्यवंशी आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट का सबसे प्रमुख चेहरा बनेंगे।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के पॉडकास्ट 'द ओवरलैप क्रिकेट' में मोदी ने अपना वह अनुभव शेयर किया, जब उन्होंने पहली बार इस युवा खिलाड़ी को मैदान पर बल्लेबाजी करते हुए देखा था। वैभव के खेलने के बेखौफ अंदाज और उनके चेहरे पर झलकने वाले गजब के आत्मविश्वास को देखकर मोदी पूरी तरह से स्तब्ध रह गए थे। उन्होंने कहा कि इस लड़के के अंदर भविष्य का क्रिकेटिंग सुपरस्टार बनने की पूरी काबिलियत मौजूद है।

ललित मोदी ने कहा, श्महज 14 साल! मेरा अपना बेटा भी 14 साल का है। जब मैंने इस बच्चे को इतनी समझ और परिपक्वता के साथ खेलते देखा, तो मुझे अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हुआ।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

-ललित गर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतधार्रा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन

अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

देश की राजनीति एक बड़े बदलाव की दहलीज पर, क्या होगा आगे ?

अशोक भाटिया

की राजनीति एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। आज से संसद का विशेष सत्र शुरू हो रहा है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। इनका उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी तरह लागू करना है। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में पेश करने के लिए तीन बिलों की सूची जारी की है। इनका मकसद 2029 तक महिलाओं के लिए आरक्षण कानून को लागू करना और लोकसभा की सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 तक करना है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पहले दो बिल पेश करेंगे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीसरा बिल पेश करेंगे। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति ने इस चर्चा के लिए 18 घंटे का समय तय किया है, जो शुक्रवार तक भी चल सकती है। लोकसभा से पास होने के बाद राज्यसभा में इन बिलों पर चर्चा होगी। परिसीमन इस रणनीति का सबसे पेचीदा हिस्सा है। दक्षिण भारत के कई राज्यों को डर है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होने से उनकी राष्ट्रीय स्तर पर ताकत कम हो सकती है। हालांकि, सरकार का कहना है कि सीटें घटेंगी नहीं, बल्कि सभी राज्यों की सीटें बढ़ेंगी, जिससे संतुलन बना रहेगा। फिर भी, क्षेत्रीय दल इसे अपने प्रभाव में संभावित कमी के रूप में देख रहे हैं। कुल मिलाकर, ये सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम है।

असल में, ये कहानी 2023 से शुरू होती है, जब संसद ने ह्लनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्व पारित किया था। इस कानून में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान तो था, लेकिन इसे लागू करने के लिए पहले नई जनगणना और परिसीमन जरूरी बताया गया था। इसी कारण कई लोगों को लगा कि इस बदलाव को जमीन पर उतरने में काफी समय लग सकता है। लेकिन हर कहानी में एक दूसरा पक्ष भी होता है। जैसे ही ये विधेयक सामने आए, विपक्षी दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना है कि यह कदम पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले महिलाओं को आकर्षित करने की कोशिश है और इसे उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति बताया। अब सबकी नजरें उस विशेष संसद सत्र पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि ये प्रस्ताव कानून बनते हैं या नहीं।

कुलदीप सिंह सेनेगर और बृजभूषण सिंह जैसे नामांकन इस बात का उदाहरण देने के लिए पर्याप्त हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी महिलाओं के अधिकारों के प्रति कितनी जागरूक है। भाजपा 2014 से सत्ता में है। अगर भाजपा 'नारी शक्ति' को सलाम करने के प्रति इतनी ही ईमानदार है तो उसे केवल सांसदों की संख्या को आरक्षण देने से किसने रोका है? सभी दल इसके लिए भी तैयार हैं, इसलिए जो सांसद 300 सांसदों का बोझ न हों, जो जल्द विकसित होने वाले भारतीयों पर बोझ न डालें, उनकी संख्या में नारी शक्ति को सलाम करना बुद्धिमानी होगी। किसी भी मुद्दे पर 'राष्ट्र प्रथम' की सोच रखने वाली पार्टी को देश के सामने सांसदों की नई आबादी के साथ आने वाले आर्थिक संकट को महसूस नहीं करना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस की तरह भ्रष्ट नहीं है, लेकिन अगर यह मुद्दा उसके सिर में नहीं चमकता है, तो देश के सामने चुनौती कितनी गंभीर है सावधान रहें।

प्रस्तावित दूसरे संशोधन के माध्यम से जहां सांसदों की संख्या बढ़ाई जा रही है, वहीं अनिर्वाचित, आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिगामी काउ-बेल्ट के प्रतिनिधियों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, और उन्नत, शिक्षित और विकसित दक्षिणी राज्यों को कम सांसदों से संतोष करना होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और दिल्ली में वर्तमान में लोकसभा के 543 सांसदों में से 207 सांसद हैं। नवीनतम संविधान संशोधन के पारित होने के साथ, इन राज्यों के सांसदों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़कर 366 हो जाएगी। केरल और पुडुचेरी से लोकसभा में जाने वाले सदस्यों की संख्या 132 से बढ़कर 176 हो जाएगी। यह 33 प्रतिशत की वृद्धि है। इसका मतलब है कि पिछड़े राज्यों में सांसदों की संख्या में 77 प्रतिशत की वृद्धि होगी जबकि दक्षिणी राज्यों की वृद्धि दर उनमें से आधे से भी कम होगी। एक देशभक्त सरकार द्वारा ऐसा करने का एकमात्र कारण कर्नाटक को छोड़कर दक्षिणी राज्यों में हिंदुत्व का अवरुद्ध 'विकास' है, जो नहीं उगते हैं उन्हें बेअसर करना और उन राज्यों को महत्व देना जहां कांग्रेस घास की तरह उगती है। संशयी। पूर्वी राज्यों में प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी भी 14।4 प्रतिशत से घटकर 13।7 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में जनप्रतिनिधियों की हिस्सेदारी 4।4 प्रतिशत से घटकर 3।8 प्रतिशत हो जाएगी। संक्षेप में, पूरा भारत गाय बेल्ट से बंधा होगा।

तीसरा संशोधन जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बीच संबंधों को तोड़ने का पुण्य कार्य करेगा, जिसके अनुसार परिसीमन 2031 में किए जाने की उम्मीद है। संविधान के अनुच्छेद 82 में कहा गया है कि इन निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 1952, 1962 और 1972 की जनगणना के बाद किया जाए और 1976 में संविधान के संशोधन के बाद, परिसीमन को 2001 तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया। उस वर्ष इस तारीख को और 25 साल के लिए बढ़ा दिया गया था ताकि यह इस वर्ष समाप्त हो जाए। हालांकि, वर्तमान सरकार ने 2021 में जनगणना को स्थगित करने का फैसला किया। मैंने शुरू नहीं किया। उस साल इसका कारण कोरोना महामारी दी गई थी। इस पर फिर से चर्चा करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि पूरे देश ने अनुभव किया है कि वह कितने ईमानदार थे। रुकी हुई जनगणना अभी शुरू हुई थी। लेकिन 2029 के चुनावों में इसका फायदा होने की संभावना नहीं है। तो सरकार को क्या करना चाहिए? 2011 की जनगणना ने भारत का चेहरा बदल दिया है, जीवन स्तर बदल गया है, नागरिकता का चेहरा बदल गया है, और वर्तमान सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर 2029 की लोकसभा तय करने का प्रयास कर रही है। यह कक्षा 5 के अंकों के आधार पर किसी को ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश देने की बुद्धिमत्ता के बराबर है। यह समझना मुश्किल है कि 2011 की जनगणना को फिर से कैसे तैयार किया जा सकता है, और सरकार चाहती है कि इसे न केवल समझ के साथ बल्कि दो दिवसीय विशेष सत्र में भी मंजूरी दी जाए। यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो सरकार अब से जनगणना किए बिना निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से तैयार करने में सक्षम होगी, अर्थात, उन क्षेत्रों/राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों को कम करना जो सरल प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से उसके पक्ष में नहीं हैं।

इसे भयानक भी माना जा रहा है। सरकार ऐसा तब तक करने की हिम्मत नहीं करती जब तक कि वह विपक्ष की अक्षमता और नागरिकों की लाचारी पर दृढ़ता से विश्वास न करे। जिस देश के नागरिकों का एक बड़ा वर्ग अपनी सोच और सोच को गिरवी रखकर मोक्ष की प्रतीक्षा कर रहा है, उसकी वर्तमान वास्तविकता बरकरार है। यदि नागरिकों को इसका एहसास नहीं होता है, तो देश का उत्तर-दक्षिण विभाजन अपरिहार्य हो जाएगा। इसकी शुरूआत निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन से हुई है जिसे नारी शक्ति की आड़ में खारिज किया जा रहा है। नारी शक्ति केवल नाम में ही हो सकती है।

महिला आरक्षण बिल के सहारे मुस्लिम सियासत चमकाती सपा

-अजय कुमार

समाजवादी पार्टी द्वारा महिला आरक्षण संशोधन बिल पर बहस के दौरान मुस्लिम महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की मांग ने लोकसभा में हंगामा मचा दिया। यह मुद्दा न केवल संसदीय बहस को तीखा बना दिया, बल्कि भाजपा और सपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नई जंग भी छेड़ दी। सपा नेता ने सदन में कहा कि मुस्लिम महिलाओं को अलग से आरक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए, क्योंकि सामान्य आरक्षण में उनकी हिस्सेदारी कम है। इस बयान पर भाजपा ने तीखा विरोध जताते हुए कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है। लोकसभा में भाजपा के प्रवक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सपा मुस्लिम वोटों को लुभाने के लिए सदन को कम्युनल रंग देने की कोशिश कर रही है। यह घटना 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां सपा मुस्लिम मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की रणनीति अपना रही है। लोकसभा में हुई इस बहस ने दोनों दलों के नेताओं के बयानों को राजनीतिक चश्मे से परखने का मौका दिया है। सपा के इस कदम से भाजपा ने सपा को मुस्लिम तुष्टीकरण का दोषी ठहराया, जबकि सपा ने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण का मुद्दा बताया। इस बहस के दौरान सपा नेता अखिलेश यादव के करीबी सहयोगी ने कहा, मुस्लिम महिलाएं पिछड़ी हुई हैं, उन्हें अलग कोटा मिलना चाहिए ताकि वे समाज में आगे बढ़ सकें। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया, धर्म के नाम पर आरक्षण की मांग संविधान की आत्मा को चोट पहुंचाती है। सपा वोट बैंक की राजनीति कर रही है। सपा का यह बयान मात्र एक विधायी प्रस्ताव नहीं, बल्कि एक सोची-समझी चुनावी चाल है।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं, सपा इस मुद्दे को उठाकर इन वोटों को एकजुट करने की कोशिश में लगी है। भाजपा का विरोध उतना ही तीखा है, क्योंकि वह इसे हिंदू-मुस्लिम विभाजन की कोशिश मान रही है। लोकसभा में बहस के दौरान सपा सांसद ने तर्क दिया कि ओबीसी और अनुसूचित जाति महिलाओं को आरक्षण मिल रहा है, तो मुस्लिम महिलाओं को क्यों नहीं। भाजपा ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय में कई उपजातियां ओबीसी में आती हैं, अतिरिक्त धर्म आधारित आरक्षण असंवैधानिक है। इस बयानबाजी ने सदन को दो धड़ों में बांट दिया। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा यदि समाजवादी पार्टी चाहे तो वह अपनी पार्टी में सभी मुस्लिम महिलाओं को टिकट दे सकती है। बहरहाल, सपा का यह रुख 2027 चुनावों की तैयारी का हिस्सा लगता है, जहां पिछले चुनावों में मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा पश्चिमी यूपी में बिखर गया था। अब सपा मुस्लिम महिलाओं के नाम पर एक नया ध्रुवीकरण पैदा करना चाहती है। भाजपा नेता ने सदन में कहा, सपा का यह प्रस्ताव मुसलमानों को अलग-थलग करने की साजिश है, हम इसे कभी सफल नहीं होने देंगे। इस बयान से साफ है कि भाजपा इसे अपनी हिंदुत्व विचारधारा से जोड़कर देख रही है। सपा के बयान में भावुक अपील है, जो मुस्लिम महिलाओं की कथित उपेक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने आंकड़े पेश किए कि मुस्लिम महिलाओं का प्रतिनिधित्व विधायिकाओं में नगण्य है। लेकिन भाजपा ने इन आंकड़ों को चुनौती देते हुए कहा कि आरक्षण जाति और आर्थिक आधार पर होता है, न कि धर्म पर। सपा का यह कदम समाजवादी विचारधारा से भटकाव का संकेत देता है, क्योंकि मुलायम सिंह यादव के समय सपा सभी पिछड़ों के लिए लड़ती थी, अब यह मुस्लिमों पर केंद्रित हो गई है। भाजपा ने सदन में सपा को याद दिलाया कि 2019 लोकसभा चुनावों में सपा-बसपा गठबंधन मुस्लिम वोटों के बावजूद हार गया, अब फिर वही गलती दोहरा रही है। लोकसभा में हुई बहस के दौरान सपा महिला सांसद ने भावुक होकर कहा, मुस्लिम बहनों को बराबरी का हक दो। भाजपा ने तत्काल प्रतिक्रिया दी, सभी महिलाओं को बराबरी का हक है, धर्म अलग क्यों? इन बयानों से सपा की मंशा साफ झलकती है कि वह मुस्लिम महिलाओं को एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

यूपी विधानसभा की 403 सीटों पर मुस्लिम मतदाता करीब 18 प्रतिशत हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। सपा इस वर्ग को लुभाने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले संसदीय मंच का उपयोग कर रही है। भाजपा का विरोध भी इसी कारण तीखा है, क्योंकि वह हिंदू मतदाताओं को एकजुट रखना चाहती है। सदन में भाजपा सांसद ने कहा, सपा का यह बिल पास हुआ तो देश में धर्म आधारित विभाजन हो जाएगा। सपा ने जवाब दिया, यह सशक्तिकरण है, विभाजन नहीं। वहीं राजनीति के जानकार कहते हैं कि सपा के बयान में तथ्यों की कमी है, क्योंकि मुस्लिम महिलाओं में पसमांदा मुस्लिम ओबीसी में आते हैं और उन्हें पहले से लाभ मिल रहा है। भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया कि धर्म आधारित आरक्षण नहीं चल सकता। यह बहस लोकसभा की कार्यवाही को बाधित करने वाली बनी, जहां दोनों पक्ष करीब दो घंटे तक एक-दूसरे पर चिल्लाते रहे। सपा नेता ने बाहर आकर कहा, भाजपा संकीर्ण सोच वाली है, हम मुस्लिम महिलाओं के हक के लिए लड़ेंगे। भाजपा ने इसे खारिज करते हुए कहा, सपा चुनावी स्टंट कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि सपा 2027 में मुस्लिम वोट ध्रुवीकरण की रणनीति पर चल रही है। पिछले विधानसभा चुनावों में सपा को मुस्लिम वोटों में 40 प्रतिशत से कम मिले थे, अब वह महिलाओं के मुद्दे से इसे सुधारना चाहती है। भाजपा इसे कम्युनल करार देकर अपने हिंदू वोट बैंक को मजबूत कर रही है। लोकसभा स्पीकर को कई बार सदन स्थगित करना पड़ा। सपा के इस बयान ने विपक्षी दलों को भी असहज कर दिया, क्योंकि बसपा और अन्य दल इसे अपनी विचारधारा से अलग मानते हैं। भाजपा ने इसे मौके का फायदा उठाया और सोशल मीडिया पर सपा को निशाना बनाया। विश्लेषण करने पर सपा के बयानों में चुनावी लाभ की गंध आती है, जबकि भाजपा के बयान संवैधानिकता पर आधारित हैं। सदन में सपा ने प्रस्ताव पेश किया कि बिल में मुस्लिम महिलाओं के लिए 5 प्रतिशत अलग कोटा हो। भाजपा ने इसे फाड़ दिया और बोली, ह्लयह देश को बांटने वाला है।ह्व इस नाटकीय घटना ने मीडिया को हेडलाइंस दे दीं। सपा का यह कदम मुलायम सिंह की विरासत से अलग है, क्योंकि उन्होंने कभी धर्म आधारित मांग नहीं की। अखिलेश यादव अब नई पीढ़ी की राजनीति कर रहे हैं, जहां वोट बैंक का ध्रुवीकरण मुख्य हथियार है। भाजपा महिला मोर्चा ने सपा पर हमला बोला कि वह हिंदू महिलाओं की उपेक्षा कर रही है। इस बहस ने राष्ट्रीय महिला आरक्षण बिल को भी प्रभावित किया, जो अभी अधर में लटका है। सपा चाहती है कि बिल में मुस्लिम महिलाओं का अलग प्रावधान हो, ताकि यूपी चुनावों में प्रचार किया जा सके। भाजपा ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे को उठाया और सपा को घेरने की योजना बनाई। विश्लेषण से स्पष्ट है कि सपा के बयान भावनात्मक हैं, जबकि भाजपा तर्कपूर्ण। सदन में सपा सांसद ने कहा, मुस्लिम महिलाएं दबाव में हैं, उन्हें आरक्षण दो। भाजपा ने कहा, सभी महिलाएं समान हैं। यह टकराव 2027 चुनावों का पूर्वाभास देता है। यूपी में सपा की रणनीति मुस्लिम बहुल सीटों पर केंद्रित है, जैसे सहारनपुर, मुरादाबाद। भाजपा इसे रोकने के लिए हिंदू एकता पर जोर दे रही है। इस बहस ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। सपा को लगता है कि मुस्लिम महिलाएं नया वोट बैंक बनेंगी, क्योंकि ट्रिपल तलाक जैसे मुद्दों पर वे सक्रिय हुई हैं। भाजपा ने इन्हें भाजपा की नीतियों का श्रेय दिया। लोकसभा रिकॉर्ड में ये बयान दर्ज हो चुके हैं, जो भविष्य में अदालतों में इस्तेमाल हो सकते हैं। सपा का यह दांव उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय खुद धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ है। भाजपा ने सर्वे कराए हैं कि यूपी के मुस्लिम विकास चाहते हैं, न कि अलगाव। इस प्रकार, सपा की मांग असफल साबित हो सकती है। फिर भी, यह बहस ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। भाजपा नेता ने कहा, सपा का मुस्लिम तुष्टीकरण बंद हो। सपा ने जवाब दिया, यह न्याय है। इन बयानों का गहरा विश्लेषण दशार्ता है कि सपा चुनावी लाभ के लिए संविधान से खिलवाड़ कर रही है, जबकि भाजपा राष्ट्रीय एकता की रक्षा कर रही है। कुल मिलाकर, यह घटना यूपी राजनीति का नया अध्याय है।

सनातन आस्था पर शातिराना दुष्प्रचार

-संजय सक्सेना

सोशल मीडिया पर एक गिरोह व्यवस्थित ढंग से हिंदू आस्था को निशाना बना रहा है। देवी-देवताओं और मंदिरों को लेकर विषैला प्रचार फैलाया जा रहा है। एक डेढ़ मिनट का वीडियो वायरल कर यह साबित करने की कोशिश की जा रही है कि सनातनी अपनी आस्था पर अडिग नहीं रहते। वे समय-समय पर फैशन की तरह आराध्य बदलते रहते हैं। यानी वे धार्मिक और मानसिक रूप से कमजोर हैं। यह प्रचार दिल्ली से वृंदावन तक फैला हुआ है। लेकिन सच्चाई कुछ और है। हाल ही में नासिक की एक बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी के बीपीओ केंद्र में चल रहे कॉर्पोरेट धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश हुआ है। सात महिला पुलिसकर्मियों ने अपनी पहचान छिपाकर वहां काम किया। उन्होंने चालीस से ज्यादा निगरानी कैमरों की फुटेज जुटाई। सबूतों के आधार पर टीम लीडरों समेत छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। यह रैकेट 2022 से चल रहा था। एक महिला कर्मचारी का पहनावा अचानक बदल गया। रमजान में रोजा रखने लगी। परिवार को शक हुआ तो सच्चाई सामने आई। पुलिस ने योजना बनाई। महिला जासूसों ने नौकरी ली। महीनों की मेहनत के बाद गिरोह धराशायी हो गया। यह गिरोह हिंदू कर्मचारियों को तर्क के नाम पर उलझाता था। कहता था, जब हनुमान बंदर थे, तो उनकी मां मनुष्य कैसे हुईं। पार्वती जी को गणेश का पता है, तो शंकर जी को क्यों नहीं। तुम्हारे भगवान तो दिखते हैं, जो दिखता है वह भगवान कैसे। यही कुतर्क सोशल मीडिया पर भी चल रहे हैं, जहां कॉर्पोरेट गिरोह सीधे धर्मांतरण कराता था, वहीं यह गिरोह उकसाता है। दोनों का मकसद एक है हिंदू आस्था को कमजोर बताकर दूसरी ओर खींचना। लेकिन सनातन की ताकत ठीक इसी लचीलेपन में है। बर्ट्रेंड रसेल ने कहा था कि दुनिया की सबसे बड़ी समस्या यह है कि मूर्ख और कट्टरपंथी खुद को पूरी तरह सही मानते हैं। यह बात इन पाकिस्तान प्रेमी प्रभावकों पर बिल्कुल फिट बैठती है। वे समझ नहीं पाते कि सनातन बांधता नहीं, मुक्त करता है। इसमें तैंतीस कोटि देवताओं की मान्यता है। प्रकृति को पूजा जाता है जल, वायु, आकाश, सूर्य और चंद्रमा जीवन के आधार को। कोई एक देवता, एक ग्रंथ या एक विचार में बंधने की मजबूरी नहीं। महाकाल हो, खाटू श्याम, मां दुर्गा या भगवान कृष्ण जो भी मन को छू जाए। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि धर्म का उद्देश्य मनुष्य को ऊंचा उठाना है, विभाजित करना नहीं। सनातन इसी उदारता का नाम है। जो धर्म बांधता है, वह कट्टरता की ओर ले जाता है। लेकिन सनातन आस्तिक को स्वतंत्र रखता है। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने लिखा था कि सच्चा धर्म मनुष्य को स्वतंत्र और उदार बनाता है। इन गिरोहों का दायरा कुएं के मेढक जैसा है। वे अपने संकीर्ण विचारों को ही सत्य मानते हैं। इसलिए हिंदू आस्था पर हमला करते हैं। नासिक मामले का टाइमिंग देखिए। जब धर्मांतरण रैकेट उजागर हुआ, उसी समय सोशल मीडिया पर प्रचार तेज हो गया। हिंदू आस्था कमजोर है, इसलिए धर्मांतरण होता है यह संदेश दिया जा रहा है। लेकिन सच्चाई उलट है। 2025 में उत्तर प्रदेश के तीर्थों पर श्रद्धालुओं की संख्या ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। काशी विश्वनाथ में साढ़े सोलह करोड़ से ज्यादा भक्त पहुंचे। अयोध्या में उनतीस करोड़। मथुरा-वृंदावन में दस करोड़। पूरे प्रदेश में कुल एक सौ छप्पन करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक आए। 1919 के मुकाबले सैकड़ों प्रतिशत की बढ़ोतरी। यह आंकड़े चीख-चीखकर कह रहे हैं कि सनातनी आस्था कमजोर नहीं हुई, बल्कि और मजबूत हुई है। श्रद्धालु मुहूर्त और उत्सव के अनुसार अपने इष्ट के दर्शन करते हैं। वे फैशन नहीं, श्रद्धा से जाते हैं। फिर ये प्रभावक क्यों कह रहे हैं कि हिंदू अस्थिर हैं। उनका उद्देश्य साफ है सनातन को छोटा बताकर एक खास धर्म को बेहतर साबित करना। फिर कहना कि मजबूत आस्था वाले एक जगह होते हैं, तुम भी वहां आ जाओ। यही काम झांसी के एक शिक्षक ने किया था। नासिक में टीम लीडरों ने किया। अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनकर वही सिलसिला चल रहा है। चेहरा अलग, जगह अलग, शब्द अलग, लेकिन मकसद एक। इनका मुख्यालय विचारधारा के रूप में पाकिस्तान से जुड़ता है। वहां बैठे कट्टरपंथी इनके वैचारिक आका हैं। प्रदर्शन पर रेटिंग देते हैं। कभी पत्रकार बनकर, कभी एक्टिविस्ट, कभी इन्फ्लुएंसर बहुरूपिये हैं।

ये हिंदू आस्था की मजबूती देखकर इनकी नींद उड़ी हुई है। सनातन में कोई बंधन नहीं। कोई मजहब की तरह एक किताब या एक पैगंबर पर निर्भर नहीं। यहां सवाल पूछने की आजादी है। तर्क करने की छूट है। प्रकृति पूजन से लेकर योग तक सब कुछ समाहित है। यही उदारता इन कट्टरों को खटकती है। वे चाहते हैं कि हिंदू भी उनके जैसे बंध जाएं। लेकिन सनातन मुक्ति का मार्ग है। इसलिए श्रद्धालु बढ़ रहे हैं। काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए लंबी कतारें। अयोध्या में रामलला के चरणों में लाखों। मथुरा में बांके बिहारी के दरबार में भक्तों का हुजूम। नए साल 2026 के आसपास भी लाखों भक्त उमड़े। तीन-तीन किलोमीटर पैदल चलकर दर्शन। यह आस्था की जीत है।गिरोह की रणनीति महीन है। एक वीडियो, एक पोस्ट, एक ट्रेंड सब कुछ शातिराना अंदाज में। लेकिन सनातनी जागरूक हो रहे हैं। वे जानते हैं कि लचीलापन उनकी ताकत है। कट्टरता उनकी कमजोरी नहीं। नासिक जैसे मामले सामने आने से सच्चाई उजागर हो रही है। पुलिस की सूझबूझ और महिला जासूसों की बहादुरी ने गिरोह को धर दबोचा। अब सोशल मीडिया पर भी ऐसे कुतर्कों का मुकाबला तथ्यों से करना होगा। बाबा विश्वनाथ, रामलला और बांके बिहारी के दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या खुद जवाब है। सनातन कभी कमजोर नहीं हुआ, न होगा। यह प्रचार सिर्फ आस्था पर हमला नहीं, राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों पर हमला है। पाकिस्तान प्रेमी सोच वाले लोग भारत की विविधता को सहन नहीं कर पाते। वे चाहते हैं कि सनातन की उदारता को कट्टरता से बदल दिया जाए। लेकिन इतिहास गवाह है। सनातन हजारों साल से जीवित है, क्योंकि यह बदलाव को अपनाता है, बंधता नहीं। आज जब तीर्थों पर करोड़ों भक्त पहुंच रहे हैं, तब इन गिरोहों का दुष्प्रचार बेनकाब हो रहा है। बहुरूपियों को पहचानिए। उनके कुतर्कों से सावधान रहिए। सनातन की जड़ें गहरी हैं। कोई प्रचार उन्हें हिला नहीं सकता। आस्था मजबूत है, श्रद्धा अटूट है और सनातन अमर है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अमरावती ग्रामीण एसपी और आईजी को ज्ञापन सौंपा

अमरावती। अचलपुर (परतवाड़ा) में एक युवती का यौन शोषण कर उसके आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपियों और उनके सभी सहयोगियों के खिलाफ मकोका सहित कड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग को लेकर आज कांग्रेस की ओर से पुलिस प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया गया। आज आमदारभाई जगताप, खासदार बळवंतभाऊ वानखडे, जिल्हाध्यक्ष बबलूभाऊ देशमुख और पूर्व मंत्री यशोमती ठाकूर के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक (अमरावती ग्रामीण) और आईजी (अमरावती रेंज) से मुलाकात की। इस दौरान इस गंभीर मामले की जांच विशेष जांच दल के माध्यम से कराने की जोरदार मांग की गई। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक वीरेंद्रभाऊ जगताप, पूर्व महापौर विलासभाऊ इंगोले, पूर्व महापौर मिलिंदभाऊ चिमोटे, शहर अध्यक्ष बबलूभाऊ शेखावत, नगरसेवक अनिलभाऊ अग्रवाल सहित जिला व शहर कांग्रेस कमिटी के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। अचलपुर की यह घटना मानवता को कलंकित करने वाली है। केवल मुख्य आरोपी ही नहीं, बल्कि इस अपराध में उसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मदद करने वाले सभी साथियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़े प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए जाएं। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा गंभीर है और प्रशासन को इस मामले की जांच तेज गति से करनी चाहिए, अन्यथा कांग्रेस की ओर से लोकतांत्रिक तरीके से तीव्र आंदोलन किया जाएगा,ह्व ऐसा स्पष्ट चेतावनी यशोमती ठाकूर ने इस दौरान दिया।

भिवंडी में प्रसिद्ध साहित्यकार डा. हदीस अंसारी के सम्मान में साहित्यिक संगोष्ठी का किया गया भव्य आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार एवं आलोचक डा. हदीस अंसारी (पूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान) के भिवंडी आगमन पर उनके सम्मान में मलिक मोमिन के निवास स्थान पर एक गरिमामय साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उर्दू जगत की जानी-मानी हस्ती डा. गुलाम नबी मोमिन (पूर्व उर्दू अधिकारी, बाल भारती, पुणे) विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डा. हदीस अंसारी की लेखनी प्रवाहपूर्ण, उद्देश्यपूर्ण और विचारोत्तेजक है। उन्होंने बताया कि डा. अंसारी अब तक आठ महत्वपूर्ण पुस्तकों के माध्यम से उर्दू साहित्य को समृद्ध कर चुके हैं तथा एक कुशल अनुवादक के रूप में भी उनकी पहचान है। उनके द्वारा हिंदी कथाकार योगेंद्र नाथ शुक्ल की लघुकथाओं का उर्दू अनुवाद ह्लबदलते पैमानेह्व विशेष रूप से चर्चित रहा है। कार्यक्रम के सूत्रधार जनाब बिलाल मोमिन (पूर्व प्राचार्य, समदिया कालेज) ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए भिवंडी की साहित्यिक परंपरा और वर्तमान गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शहर के शायरों के चुनिंदा अशआर प्रस्तुत कर कार्यक्रम को साहित्यिक रंग प्रदान किया। साथ ही, उन्होंने इकबाल उस्मान मोमिन की पुस्तक आप मुसाफिर–आप ही मंजिलह्व की प्रति डा. अंसारी को भेंट की।

इकबाल मोमिन और मोहम्मद रफी अंसारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए डा. हदीस अंसारी की शैक्षिक एवं साहित्यिक सेवाओं की सराहना की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डा. हदीस अंसारी ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि भिवंडी का साहित्यिक माहौल अत्यंत प्रेरणादायक है और उनका यह दौरा सदैव स्मरणीय रहेगा। इस दौरान उन्होंने डा. गुलाम नबी मोमिन को अपनी कृतियों का सेट भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन मलिक मोमिन द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में चिन्मया विद्यालय के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण

छात्रा शारन्या माबियन ने 99.60% अंक अर्जित कर किया विद्यालय टॉप

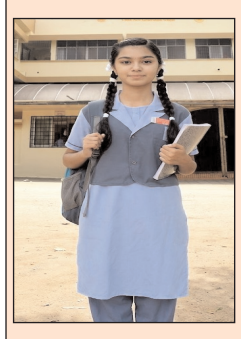

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित चिन्मया विद्यालय ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराते हुए कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत (100%) परिणाम हासिल किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने विद्यालय को एक नई पहचान दिलाई है। इस वर्ष विद्यालय की छात्रा शारन्या माबियन ने 99.60% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों ने सभी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का बेहतरीन परिचय दिया। घोषित परिणाम के अनुसार, कुल 39 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किये, जबकि 56 विद्यार्थियों ने 75% से 89% के बीच अंक हासिल कर डिस्टिंक्शन प्राप्त किया। इसके अलावा 14 विद्यार्थियों ने 60% से 74% तथा 4 विद्यार्थियों ने 56% से 59% अंक प्राप्त कर समग्र परिणाम को और सशक्त बनाया। विद्यालय के इस शानदार प्रदर्शन के पीछे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों का सतत मार्गदर्शन एवं अभिभावकों का सहयोग प्रमुख रहा। विद्यालय के प्राचार्य ने इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन के टी. बी. ठाकुर, डॉ. पराग कुलकर्णी और डॉ. शिव शंकर ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के अध्यक्ष राम नारायण गोयल ने भी उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का उत्सव मनाते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट परिणाम लाने का संकल्प व्यक्त किया है।

केडीएमसी की बड़ी कार्रवाई 114 गालों को किया सील

डोंबिवली। डोंबिवली पूर्व स्टेशन के बाहर उर्सेकर वाडी में मधुबन सिनेमागृह के सामने स्थित पालिका की भाजी मंडी में बुधवार 15 तारीख की शाम को केडीएमसी ने जोरदार कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार डोंबिवली ग प्रभाग क्षेत्र के सहायक आयुक्त भरत पवार और फ प्रभाग के सहायक आयुक्त प्रसाद ठाकुर ने मालमत्ता कर विभाग के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए यहां के 114 गालों को सील कर दिया। सहायक आयुक्त भरत पवार ने बताया कि यह जगह भाजी मंडी के लिए दी गई थी। लेकिन निरीक्षण में पाया गया कि यहां ओटे पर दुकानें बनाकर शटर लगा दिए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर सभी शटर बंद कर ताले लगा दिए गए। सहायक आयुक्त प्रसाद ठाकुर ने कहा कि फ और ग प्रभाग क्षेत्र में अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई जारी है। भाजी मंडी का उपयोग दूसरे कामों के लिए होने की जानकारी मिलते ही गाले सील किए गए।

गर्मियों में ताजगी का एहसास: डाबर रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर के साथ रहें कूल और फिट

मुंबई/पटना। देश भर में बढ़ते तापमान को देखते हुए, भारत की प्रमुख आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने 'रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर' को हाइड्रेटेड रहने के एक बेहतरीन प्राकृतिक समाधान के रूप में पेश किया है। बेहतरीन नारियलों से तैयार इस नारियल पानी में अलग से कोई चीनी नहीं मिलाई गई है और यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर है। बाजार में मौजूद ज्यादा चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा के मुकाबले, कंपनी ने इसे एक फैट-फ्री और लो-कैलोरी ड्रिंक के तौर पर एक बेहतरीन विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। डाबर इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट- मार्केटिंग, श्री मयंक कुमार ने कहा, रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर गर्मियों का एक परफेक्ट साथी है, जो शरीर को नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स देकर थकान दूर करता है और पानी की कमी पूरी करता है। इसमें अलग से चीनी नहीं मिलाई गई है, इसलिए आप इसे बिना किसी फिक्र के पी सकते हैं। इसके प्राकृतिक शीतलन गुण पाचन में सहायता करके और त्वचा की नमी को बनाए रखकर गर्मियों में स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं।

जन कल्याण के लिए लोक दरबार : मीरा-भायंदर में मंत्री प्रताप सरनाईक के मौके पर फैसले, प्रशासनिक उदासीनता पर लगा अंकुश

तारकेश्वर पांडे

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में अक्सर सुस्त प्रशासन और फाइलों में उलझी समस्याओं से जूझते नागरिकों को आज एक अलग अनुभव मिला। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं मीरा-भायंदर के जनप्रतिनिधि प्रताप सरनाईक की पहल पर आयोजित लोक दरबार में नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। इस लोक दरबार का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम में नगर निगम, पुलिस, परिवहन और यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहे, जिससे शिकायतों के त्वरित निस्तारण का रास्ता खुला।

273 शिकायतें, 70% का मौके पर निपटारा लोक दरबार में कुल 273 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से लगभग 70% का समाधान तत्काल कर दिया गया। अधिकांश शिकायतें नगर निगम से जुड़ी थीं। मंत्री सरनाईक ने आयुक्त से लेकर कनिष्ठ अधिकारियों तक सभी से जवाब-तलब किया और कई मामलों में मौके पर ही निर्णय लेने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को फटकार, लापरवाही पर सख्ती कार्यक्रम के दौरान कुछ अधिकारियों के अनुचित व्यवहार पर मंत्री सरनाईक ने कड़ी

70% शिकायतों का मौके पर समाधान, 7/11 कंपनी पर सख्ती के निर्देश

नाराजगी जताई। उन्होंने सार्वजनिक रूप से फटकार लगाते हुए स्पष्ट कहा कि जनता के कार्यों से बचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस सख्त रुख से प्रशासनिक तंत्र में स्पष्ट संदेश गया।

7/11 कंपनी के खिलाफ जांच के आदेश लोक दरबार में 7/11 कंपनी के खिलाफ भी बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आईं। नागरिकों ने कंपनी पर मनमानी और अनियमितताओं के आरोप लगाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने संबंधित विभाग को तत्काल जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। हर महीने लगेगा लोक दरबार मंत्री सरनाईक ने घोषणा की कि यह पहल अब नियमित होगी। मीरा-भायंदर में हर महीने लोक दरबार आयोजित किया जाएगा, जिससे नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे मंच उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा, जनता का समय और धन दोनों महत्वपूर्ण हैं। अधिकारियों को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। लोक दरबार आम नागरिक की आवाज का मंच है। जनता का भरोसा, प्रशासन पर दबाव

इस पहल को लेकर नागरिकों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। लोगों ने इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी मंच बताया। लोक दरबार ने यह साबित किया कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो प्रशासनिक देरी पर अंकुश लगाकर जनता को त्वरित न्याय दिया जा सकता है।

भिवंडी मनपा सचिव द्वारा स्थायी समिति सदस्यों की सूची जारी, महासभा में घोषणा बिना ही खत्म हुई थी बैठक

भिवंडी । भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रधान सचिव द्वारा स्थायी समिति के सदस्यों की अधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल (बुधवार) को आयोजित महासभा में स्थायी समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा किए बिना ही बैठक समाप्त कर दी गई थी, जिसके बाद आज यह सूची जारी की गई। जारी सूची के अनुसार स्थायी समिति में विभिन्न दलों के कुल 16 सदस्यों को शामिल किया गया है। इसमें कांग्रेस के 5, भाजपा के 4, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के 2, शिवसेना के 2 तथा समाजवादी पार्टी, कोणार्क विकास आघाड़ी और भिवंडी विकास आघाड़ी एकता मंच के 1-1 सदस्य शामिल हैं। स्थायी समिति के सदस्यों (2026) में अन्सारी रेश्मा बानो वसीम अहमद (कांग्रेस), अंसारी जोहा असरार (कांग्रेस), अन्सारी शबाना (कांग्रेस), विजय भगवान भगत (कांग्रेस), अन्सारी साजिद हुसैन (कांग्रेस), शेट्टी संतोष मंजय्या (भाजपा), पाटिल सुमित पुरुषोत्तम (भाजपा), नकाते सुहास जालिंदर (भाजपा), गीता विठोबा नाईक (भाजपा), बहाउद्दीन फराज फजल (राकांपा - श. प. गट), खान ईशा इमरान (राकांपा - श. प. गट), नाईक अस्मिता प्रभुदास (शिवसेना), खान सबीया दीन मोहम्मद (शिवसेना), खान अमन ओबैद (समाजवादी पार्टी), मयुरेश विलास पाटिल (कोणार्क विकास आघाड़ी), जावेद गुलाम मोहम्मद दलवी (भिवंडी विकास आघाड़ी एकता मंच)। सूची जारी होने के बाद राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर तेज हो गया है, वहीं विभिन्न दलों के कार्यकताओं ने अपने-अपने प्रतिनिधियों को बधाई दी है।

अनधिकृत निर्माण पर कसेगा शिकंजा, उद्योगों को बड़ी राहत देने वाले फैसले

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के वाडा तहसील में कंपनियों द्वारा किये जा रहे अनधिकृत निर्माण की बढ़ती शिकायतों और औद्योगिक निर्माण अनुमति प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त और सकारात्मक कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ की अध्यक्षता में जिला नियोजन समिति कार्यालय, पालघर में आयोजित बैठक में उद्योगों को राहत देने और प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गये।

जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने बताया कि महाराष्ट्र जमीन महसूल संहिता (दूसरी संशोधन) विधेयक, 2025 के तहत गैर-कृषि उपयोग (ठअ) अनुमति से जुड़े प्रावधानों को समाप्त कर दिया गया है। अब औद्योगिक निर्माण के लिए सीधे महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन एवं नगर

रचना अधिनियम, 1966 के अंतर्गत संबंधित प्राधिकरण को आवेदन किया जा सकेगा। इससे अनुमति प्रक्रिया में तेजी आयेगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एकमुश्त रूपांतरण शुल्क जमा करने के बाद दोबारा शुल्क देने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, Ease of Doing Business नीति के तहत विभिन्न विभागों को एक माह के भीतर आवश्यक ठडउ जारी करने के निर्देश दिए गये हैं। बैठक में Building Permission Management System (BPMS) और Auto DCR जैसी ऑनलाइन प्रणालियों के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी गई। उद्यमियों को 7/12 उतारा और 9(3), 9(4) रिकॉर्ड ऑनलाइन प्राप्त कर समय पर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन उद्योगों की समस्याओं का समाधान सकारात्मक दृष्टिकोण से करेगा और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए हर महीने इस तरह की बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। वाडा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मिलिंद वाडेकर ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का समापन निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागड़े ने किया। इस बैठक में अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, सहायक नगर रचना संचालक भाग्यश्री ढवलसंक, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागड़े, उपजिलाधिकारी रणजीत देसाई, उद्योग विभाग के सरव्यवस्थापक उपेंद्र सांगले, सहायक वन संरक्षक डेमरे, तहसीलदार सचिन भालेराव सहित कई अधिकारी एवं वाडा के उद्यमी मौजूद रहे।

पिता द्वारा मासूम बच्ची का गला काटने की कोशिश नाकाम

पति और पत्नी दोनों में चल रहा विवाद

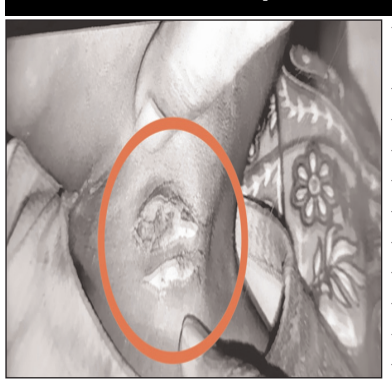

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पारिवारिक विवाद में एक पिता ने अपनी ढाई साल की मासूम बेटी पर जानलेवा हमला किया। मां की सूझबूझ से बच्ची की जान बच गई और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

कल्याण पूर्व के खडेगोलवली इलाके में रहने वाले विलास दिनकर और पत्नी लक्ष्मी के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। पति की मारपीट से परेशान होकर लक्ष्मी अपनी ढाई साल की बेटी अदिति को लेकर मायके मध्यप्रदेश चली गई थी। लक्ष्मी ने बताया कि विलाश दिनकर उसके मायके में जाकर चुपके से उसकी बेटी को अपने साथ कल्याण लेकर भाग आया। करीब 20 दिनों तक विलास बेटी के साथ लापता रहा। इस दौरान लक्ष्मी ने कोलसेवाडी पुलिस थाने में अर्जी देकर पूरी कहानी बताई थी। गुरुवार सुबह विलास ने मासूम अदिति पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मां लक्ष्मी ने तुरंत बीच-बचाव कर बेटी को बचा लिया। गंभीर रूप से घायल अदिति को लक्ष्मी ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। कोलसेवाडी पुलिस ने आरोपी पिता विलास दिनकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

मीरा-भायंदर में अतिक्रमण और ट्रैफिक समस्या पर बड़ी बैठक, प्रशासन ने लिए सख्त फैसले

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर नगर निगम के सरकारी परिसरों पर बढ़ते अतिक्रमण और शहर में गहराती यातायात समस्याओं को लेकर आज लाल बहादुर शास्त्री स्थायी समिति हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और प्रभावी उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। शहर में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए आवश्यक निर्णय भी लिए गए।

इस दौरान प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समन्वित अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में महापौर श्रीमती डिंपल मेहता, उप महापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष हसमुख गहलोत, नगर निगम आयुक्त राधाविनोद शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन की इस पहल से शहर में व्यवस्था सुधारने और नागरिकों को राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिना अंगूठे के जन्मी बच्ची की नानावटी मैक्स हॉस्पिटल में हुई दुर्लभ टो-टू-हैंड सर्जरी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रेयर रीकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के डॉक्टरों ने नागपुर की 11 महीने की बच्ची के हाथों की फंक्शनिंग को रीस्टोर किया है। बच्ची जन्म से ही बिना अंगुठे के पैदा हुई थी। उसका बायां अंगूठा एकदम नहीं था और दायां अंगूठा भी सही से विकसित नहीं था। एक कॉम्प्लेक्स टू-स्टेज रीकंस्ट्रक्टिव सर्जरी से बच्ची के हाथों की फंक्शनिंग को सामान्य करने में मदद मिली है, जिससे वह सामान्य जीवन जीने में सक्षम होगी। हड्डी एवं मांसपेशियों के न होने के कारण बच्ची का बायां अंगूठा बिलकुल नहीं बना था और दायां अंगूठा अविकसित था। ऐसे में उसके लिए चीजों को पकड़ने और दबाने जैसी मोटर स्किल्स मुश्किल हो गई थीं। कई जगह से बातचीत के बाद परिवार के लोगों को नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर -प्लास्टिक, रीकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी एंड हैंड ट्रांसप्लांटेशन डॉ. नीलेश सतभाई के बारे में पता चला और उन्होंने उनसे संपर्क किया। स्थिति को देखते हुए डॉ. सतभाई और उनकी टीम ने मल्टी-स्टेज सर्जिकल प्लान तैयार किया। पहले उन्होंने जॉइंट्स को स्थिर करते

हुए मौजूदा दाएं अंगूठे को रिपेयर किया और उसकी मूवमेंट एवं अन्य अंगुलियों को छूने की क्षमता को रीस्टोर करने के लिए हथेली से मांसपेशियां ट्रांसफर कीं। सफल सर्जरी के बाद बच्ची को सपोर्टिव स्प्लिंट में रखा गया और 6 से 8 हफ्ते में उसने प्रभावी तरीके से दाएं अंगूठे का इस्तेमाल शुरू कर दिया। दो महीने बाद डॉ. सतभाई ने सेकेंड स्टेज सर्जरी का प्लान किया। इस स्टेज में बायां अंगूठा बनाने के लिए माइक्रोवस्कुलर टो-टू-हैंड ट्रांसफर किया गया। पश्चिमी भारत के कुछ चुनिंदा अस्पतालों में ही ऐसी एडवांस्ड सर्जरी की व्यवस्था है। डॉ. सतभाई और उनकी टीम ने बाएं पैर की दूसरी अंगुली को उसके टेंडन, नर्व और ब्लड वेसल्स समेत हाथ में ट्रांसफर किया। उनकी टीम ने सावधानी पूर्वक सबकुछ रिपेयर किया, जिससे सकुर्लेशन, सेंसेशन और फंक्शन सभी कुछ रीस्टोर किया जा सका। जिस पैर से अंगुली ट्रांसफर की गई, उसे भी इस तरह से रीकंस्ट्रक्ट किया गया, जिससे उसका फंक्शन नॉर्मल रहे। रीकंस्ट्रक्ट किया गया अंगूठा चार से छह हफ्ते में काम करने लगेगा। इसके लिए स्ट्रक्चर्ड फिजियोथेरेपी कराई जा रही है, जिससे स्ट्रेंथ, मोबिलिटी और न्यूरल एडेप्टेशन हो सके।

अंगूठे के महत्व को बताते हुए डॉ. समभाई ने कहा, ह्यहाथ का 40 प्रतिशत काम अंगूठे पर निर्भर रहता है। सभी अंगुलियों को छू सकने की इसकी क्षमता के कारण मनुष्य जटिल काम भी आसानी से कर पाता है।

पल्सर 180 की वापसी, अब नए ग्राफिक्स, LED हेडलैंप और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू- और थ्री-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित मोटरसाइकिलों में से एक, पल्सर 180 की वापसी की घोषणा की। नए ग्राफिक्स, LED हेडलैंप, ब्लिंकर्स और ब्लूटूथ कनेक्टेड डिजिटल कंसोल के साथ पल्सर 180 एक बार फिर राइडर्स की मांग के चलते लौट आई है। अब यह पहले से ज्यादा शार्प और बेहतर अवतार में पेश की गई है, ऐसे समय में जब पल्सर ब्रांड अपने दो अहम मॉडल–पल्सर 150 और पल्सर 180 के लॉन्च के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। यह वापसी अपने आप में एक महत्वपूर्ण पड़ाव को दर्शाती है। जब पल्सर 180 लॉन्च हुई थी, तब इसने भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइक्लिंग के नए मानक तय किए थे। इसने ज्यादा पावर वाली

बाइक्स का अनुभव रोजमर्रा की उपयोगिता के साथ जोड़ा। पल्सर ने देश में स्पोर्ट्स मोटरसाइक्लिंग के एक नए दौर की शुरूआत की। पल्सर 180 वही बाइक रही, जिसने पल्सर ब्रांड और उसकी पहचान को आकार दिया। पल्सर 180 एक बार फिर उसी डेरिंग स्पिरिट के साथ लौट रही है। तेज-तर्रार स्टाइल, बेहतर परफॉर्मेंस और LED हेडलैंप, ब्लिंकर्स तथा ब्लूटूथ कनेक्टेड डिजिटल कंसोल जैसे आधुनिक फीचर्स के साथ यह दमदार अनुभव पेश करती है। 150-160 सेगमेंट की बाइक्स चलाने वाले राइडर्स के लिए यह एक बेहतरीन अपग्रेड के रूप में सामने आती है, जो परफॉर्मेंस, दमदार लुक और वैल्यू, तीनों में एक सही संतुलन देती है।

घोषणा पर बात करते हुए, बजाज ऑटो लिमिटेड के एमसीबीयू प्रेसीडेंट सारंग कानडे ने कहा, पल्सर ब्रांड हमेशा से सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइक्लिंग को नई दिशा देने का प्रतीक रहा है। पल्सर 180 की वापसी, लगातार बनी रही मजबूत मांग और सोशल मीडिया पर मिले जबरदस्त समर्थन का परिणाम है।

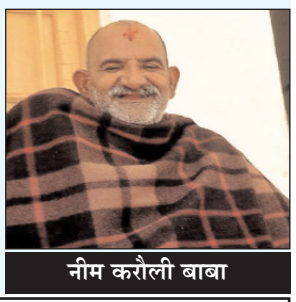

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बिजली के पोल से टकराई बाइक, युवक व बच्चा घायल

◆ बभनी-रेणुकूट मार्ग पर हुआ सड़क हादसा

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी-रेणुकूट मुख्य मार्ग पर स्थित नधिरा जंगल के पास गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, झारों कला निवासी रामनारायण (30 वर्ष) पुत्र मनोहर अपनी बाइक से नधिरा गांव स्थित अपनी बहन के घर जा रहे थे। जैसे ही वह नधिरा जंगल के पास पहुंचे, उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रामनारायण के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, बाइक पर सवार बच्चा भी घायल हो गया।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मदद करते हुए यूपी-112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस के जरिए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया गया।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रामनारायण की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है, जिससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद के बेटे मो.अफरीदी सिद्दीकी ने हाईस्कूल में प्राप्त किया 95.6% अंक

कस्बा मानीकलां का नाम किया रोशन, परिजनों में खुशी की लहर, बधाई देने वालों का सिलसिला जारी

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां निवासी भारत प्रेस क्लब वाराणसी मंडल अध्यक्ष व उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप सम्पादक /प्योरलीफ /राष्ट्रीय पत्रकार समर्पित साप्ताहिक के डॉ. इम्तियाज अहमद पुत्र मरहूम डॉ. इश्तियाक अहमद के पोते, मो. अफरीदी सिद्दीकी ने सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल में 95.6% अंक प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन किया है। गौरतलब हो कि डॉ. इम्तियाज अहमद के बेटे मो. अफरीदी सिद्दीकी की प्राथमिक शिक्षा प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल जौनपुर से हुई थी उसके बाद 7 वी कक्षा पढ़ाई डालिम्स सनबीम स्कूल हमाम दरवाजा से शुरू हुई थी।

सीबीएसई बोर्ड द्वारा जारी रिजल्ट में 95.6% प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। सूचना मिलते ही परिजनों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और सभी शुभचिंतकों ने बधाई दी। मो.अफरीदी सिद्दीकी ने इसका श्रेय

शिक्षकों एवं अपने माता-पिता को दिया।

बधाई देने वालों में भारत प्रेस क्लब के संस्थापक मो. अरशद खान पूर्व विधायक सदर, नेशनल चेयर मैन डॉ. नासिर खान, डॉ .जयेश सिंह बाल रोग विशेषज्ञ जौनपुर, डॉ.नवीन सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ.शिल्पी सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ 'मेरी मुंह बोली बहन' उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के संस्थापक/सम्पादक ओम प्रकाश प्रजापति, तहमीर हसन 'शिबू' यू.पी हेड NEWS HOUR, भाई मेराज

मास्टर, भाई आनन्द सिंह दैनिक जागरण, वरिष्ठ पत्रकार रियाजुल हक, डॉ.संदीप कुमार मिश्र जिला संवाददाता वाराणसी, वरिष्ठ पत्रकार वसीम अहमद, शब्बीर हैदर अम्मार सम्पादक, वरिष्ठ पत्रकार फहीम अहमद, अजीम सिद्दीकी अमर उजाला खेतासराय, आबिश इमाम जर्नलिस्ट , जेड एफ एम/प्योरलीफ संस्थापक जीशान अहमद खान, डॉ.आबिद खान प्रबन्धक मॉर्डन कान्वेंट स्कूल खेतासराय, मो.राशिद, कलीम सिद्दीकी, अमित तिवारी, सुशील गुप्ता, अरशद अली, अभिताश गुप्ता, दानिश सिद्दीकी, मो, जावेद, शुभम यादव, अनवर हुसैन, प्रियेश गुप्ता 'रुद्र', विशाल सोनी, शमा परवीन, गार्गी यादव, आफताब आलम, निशानाथ, अबु हुजैफा शेख , जाने आलम प्रधान पति मानीखुर्द, इरफान अहमद उर्फ 'बिक्कन' डॉ . वकील अहमद नजीर संस्थापक वकील नजीर इण्टर कालेज मानी कलां, डॉ.सरफराज अहमद, हाफि ज अयाज अहमद, एजाज अहमद, मो.आसिफ सिद्दीकी, मो, आमिर सिद्दीकी, मो, फैसल सिद्दीकी, जैन अब्दुल्लाह सिद्दीकी, सारा सिद्दीकी, नूरा सिद्दीकी, मो.अली सिद्दीकी, मो० यूसुफ सिद्दीकी, मो० उमर सिद्दीक, उसमान सिद्दीकी, अब्दुर्रहमान सिद्दीकी, अब्दुल्लाह सिद्दीकी, अहमद सिद्दीकी, लुकमान अहमद, मो.अरशद खान प्रधान, मो. अकरम भावी प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य वार्ड नम्बर 9, अल्ताफ अहमद, कमालुद्दीन, जिला पंचायत सदस्य वार्ड नम्बर 10, जमशेद अहमद, राजीव कुमार बौद्ध, वीरेन्द्र गौतम, अनवारुद्दीन, मो.असलम खान अधिवक्ता, हाजी ज़ियाउद्दीन इंकलाब उर्दू ,मो.अकरम खान 'मुन्ना' हाजी रियाजुल हक जमा मस्जिद इमाम , मो.असर रेणुकोट समेत सैकड़ों लोगों ने बधाई दी है।

छत्तीसगढ़ हादसे के तीन मृतकों के शव गांव पहुंचे, पीपरखाड़ में पसरा मातम

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कोन थाना क्षेत्र के पीपरखाड़ गांव में गुरुवार सुबह उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब एक साथ तीन एम्बुलेंस से तीन शव गांव पहुंचे। इस हृदयविदारक दृश्य को देखकर पूरे गांव में मातम छा गया।

बताया गया कि छत्तीसगढ़ के शक्ति जिले के सिंहीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए भीषण बॉयलर विस्फोट में इन तीनों मजदूरों की मौत हो गई थी। शवों की पहचान के बाद छत्तीसगढ़ प्रशासन द्वारा एम्बुलेंस के जरिए उन्हें उनके पैतृक गांव भेजा गया।

मृतकों में पीपरखाड़ के बरवाहा टोला निवासी राजू राम (40) पुत्र चरित्र राम एवं बृजेश (31) पुत्र जवाहिर राम, जो आपस में चचेरे भाई थे, तथा केवाल टोला निवासी पंकज (25) पुत्र सुभाष शामिल हैं। तीनों करीब तीन माह पूर्व एक संविदाकार के माध्यम से वेदांता पावर प्लांट में मजदूरी करने गए थे।

बताया जाता है कि 14 अप्रैल की दोपहर लगभग 2:30 बजे प्लांट के यूनिट नंबर-1 में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें इन तीनों सहित कई अन्य मजदूरों की जान चली गई, जबकि कई लोग घायल भी हुए थे। गांव में शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हर आंख नम हो उठी और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।

तीनों शवों का अंतिम संस्कार कचनरवा स्थित पांडु नदी के किनारे श्मशान घाट पर एक साथ किया गया। एक साथ तीन चिताएं जलते देख हर कोई भावुक हो उठा। यह दृश्य इतना मार्मिक था कि वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

करंट लगने से सेक्टर प्रभारी की मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सन्दहा निवासी सेक्टर प्रभारी राजबहादुर यादव की रविवार को विद्युत करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजबहादुर यादव कार्य के दौरान

अचानक करंट की चपेट में आ गए, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा परिवार को इस कठिन समय में धैर्य रखने की बात कही। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजबहादुर यादव एक मिलनसार, कर्मठ एवं सामाजिक व्यक्ति थे। उनकी असमय मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक और मायूसी का माहौल है।

जनसमस्याओं को लेकर सांसद प्रिया सरोज से मिले सत्यम यादव 'सत्या', क्षेत्रीय विकास पर हुई अहम चर्चा

शुभम कुमार यादव

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र की जमीनी समस्याओं को उठाते हुए बघंद्रा (दशरथा) गांव निवासी सत्यम यादव 'सत्या' ने स्थानीय सांसद प्रिया सरोज से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एक विस्तृत लिखित प्रार्थना पत्र सौंपते हुए क्षेत्र में व्याप्त मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

सत्यम यादव ने सड़क की जर्जर स्थिति, अनियमित बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी को प्रमुख मुद्दों के रूप में सांसद के सामने रखा। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं के कारण क्षेत्रवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुलाकात के दौरान सांसद प्रिया सरोज ने प्रार्थना पत्र का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक, सत्यम यादव 'सत्या' क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर जनहित के मुद्दों को उठा रहे हैं। साथ ही, वह आगामी समय में वार्ड नंबर 71, धमार्पुर क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करने की तैयारी में हैं, जिससे क्षेत्रीय राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से क्षेत्र की समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी। वहीं, सत्यम यादव ने भी विश्वास व्यक्त किया कि सांसद के हस्तक्षेप से आम जनता को जल्द राहत मिलेगी।

खुटहन क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन जारी, ग्रामीणों में आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के थाना खुटहन क्षेत्र अंतर्गत गौसपुर के पास स्थित मोजीपुर एवं शेखपुर सुतौली बॉर्डर क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का मामला लगातार सामने आ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन की जानकारी के बावजूद क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध खनन जारी है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

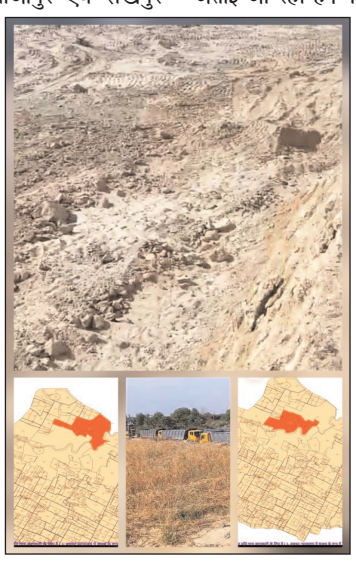

ग्रामीणों के अनुसार गाटा संख्या 221/क, ख, ग, घ, ड, ट, ठ, च, झ, ज, आदि सहित मुस्त्रका (मिलजुमिला) भूमि, ग्राम सभा चारागाह एवं निजी कृषि भूमि पर बिना अनुमति के मिट्टी की खुदाई की जा रही है। आरोप है कि कुछ लोगों की मिलीभगत से यह कार्य बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा है।

लगातार गहरे खनन के कारण खेतों की मेड़ें कमजोर हो रही हैं, जिससे आगामी बारिश के मौसम में फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। कई स्थानों पर 10 से 20 फीट तक गहरे गड्ढे किए जाने की भी बात ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है।

स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि खनन क्षेत्र का असर पास स्थित गोमती नदी क्षेत्र पर भी पड़ सकता है, जिससे बरसात के समय कटान एवं जलभराव जैसी समस्या उत्पन्न होने की संभावना है।

ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें धमकाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल अवैध खनन पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जब इस सम्बन्ध में मोजीपुर के हल्का लेखपाल से दूर संचार के माध्यम से वार्ता करना चाहा तो उनका मोबाइल बन्द बता रहा था।

नारी शक्ति वंदन से बदलेगी सामाजिक चेतनाः सुषमा पटेल

नारी शक्ति वंदन छात्रों का कर्तव्यः केश लाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से नारी शक्ति वंदन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया, जो महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल ने नारी शक्ति वंदन पर अपना बयान देते हुए कहा, 'नारी शक्ति वंदन न केवल एक अभियान है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि नारी शक्ति का वंदन हर घर, हर गली में गूंजे।' उन्होंने कहा कि पहली बार केंद्र की सरकार ने महिलाओं के हितों के लिए यह कदम उठाया है, जो कि सराहनीय कदम है।

कुलसचिव केश लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास विद्यार्थियों में नैतिकता और सम्मान की भावना विकसित करेंगे। यह विद्यार्थियों को दायित्व के साथ साथ कर्तव्यबोध भी कराता है।

नारी शक्ति वंदन के प्रति जागरूकता हेतु निकली पदयात्रा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, 'शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज-सेवी बनाना है। यह पदयात्रा छात्रों को नारी सम्मान के प्रति जागरूक करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।' उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों ने 9667173333 नंबर

पर मिस्ड काल कर भारत सरकार की वेबसाइट पर नारी शक्ति वंदन के पक्ष में अपना समर्थन दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत यह पदयात्रा मुख्य द्वार से होते हुए परिसर में भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस संदेश को हर स्तर तक पहुंचाया जाए।'

इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ.सुनील कुमार, डॉ. मंगला यादव, उपकुलसचिव बबिता सिंह, डॉ.अनु त्यागी, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. सोनम झा, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। पदयात्रा उत्साहपूर्ण रही, जिसमें नारे लगाए गए और पोस्टर बांटे गए।

जफराबाद में बाबा साहब की जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, प्रतिमा का हुआ शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत जफराबाद में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर पंचायत के मुख्य द्वार से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र 'जय भीम' और 'बाबा साहब अमर रहें' के नारों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रिया सरोज एवं चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने संयुक्त रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का विधिवत शिलान्यास किया। इस मौके पर सांसद ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज के

लिए प्रेरणास्रोत हैं और सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए उनके बताए मार्ग पर चलना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से संविधान की मूल भावना को अपनाने की अपील की। चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान एवं ओवैश खान ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और जागरूकता का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर डॉ. अवध नाथ पाल, लकी त्रिपाठी, अफजल, जोगेंद्र निषाद, परवेज कुरेशी, अवध नारायण, दिलशाद अहमद, रविकांत मोदनवाल, विनोद प्रजापति, विजय यादव, शाहनवाज समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अंजनी श्रीवास्तव बनाये गये कायस्थ पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, समर्थकों में छायी खुशी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के एक कालेज में आयोजित कायस्थ चेतना संगोष्ठी के दौरान एक महत्वपूर्ण घोषणा ने पूरे कार्यक्रम का केन्द्र बिन्दु बना दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अजय शंकर श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र सिन्हा की उपस्थिति में राज कालेज के प्रवक्ता अंजनी श्रीवास्तव को कायस्थ पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त करने की घोषणा किया। जैसे ही इस नियुक्ति की घोषणा हुई, कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल बन गया। समर्थकों ने अंजनी श्रीवास्तव को फूल-मालाओं से लाद दिया। उपस्थित लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुये इसे समाज के लिये सकारात्मक कदम बताया। वहीं कर्मचारी नेता राकेश श्रीवास्तव, संजय अस्थाना, श्याम रतन श्रीवास्तव, सरोज श्रीवास्तव, आनन्द मोहन श्रीवास्तव, आनन्द शंकर श्रीवास्तव, प्रदीप अस्थाना सहित तमाम लोगों ने अंजनी श्रीवास्तव को बधाई दिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह नियुक्ति अंजनी श्रीवास्तव की ईमानदारी, मेहनत और समाज के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में कायस्थ पार्टी उत्तर प्रदेश में और अधिक मजबूत होगी तथा समाज को नई दिशा मिलेगी। अन्त में सभी उपस्थित लोगों ने अंजनी श्रीवास्तव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगाः कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आज भाजपा कार्यालय पर विधानसभा स्तरीय नारी सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व गृहराज्यमंत्री एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने के प्रति जागरूकता फैलाना था। भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम किया है।

उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर

बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और मातृत्व वंदना योजना जैसी पहलें शामिल हैं, जो महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुई हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक विशेष सत्र बुलाया गया है। यह कदम महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को विधायिका में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। इस मौके पर शशि मौर्य, सीमा प्रजापति, आशा प्रमिला समेत सैकड़ों महिला शक्ति उपस्थित रही।

मानीकलां में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

मो. आसिफ सिद्दीकी

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सूरज गौतम ने किया, जिसमें पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही।

इस अवसर पर सदर विधानसभा अध्यक्ष विरेन्द्र कुमार यादव, डॉ. शबनम नाज (प्रदेश सचिव, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा उत्तर प्रदेश), अनीस अहमद (सेक्टर प्रभारी), मो. सारिक, मतलूब नेता, वीरेन्द्र गौतम, राजीव कुमार बौद्ध सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। सभी ने बाबा साहब के आदर्शों को अपनाकर समाज में एकता और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

जेसीआई चेतना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक यात्रा के दौरान किये कई सेवा कार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसीआई चेतना के तत्वावधान में सरला महेश्वरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत एन. आचार्य की आधिकारिक यात्रा पर जेसीआई जौनपुर चेतना व शाहगंज के समस्त अध्याय का सफल मीट का आयोजन किया। विभिन्न जेसीआई लोकल ऑर्गनाइजेशन के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं जेसीआई चेतना नेशनल प्रोजेक्ट के तहत लगभग 100 स्टील पानी की बोतल का वितरण राष्ट्रीय अध्यक्ष और मण्डल अध्यक्ष गौरव सेठ एवं उपाध्यक्ष विनायक गुप्ता द्वारा किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य शहर से प्लास्टिक बोतल का उपयोग पूर्ण रूप से बंद किया जाना है तथा स्वच्छ जल के लिए लोगों का जागरूक करना है। साथ ही मच्छरदानी का वितरण स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। गर्मी

से राहत प्रदान करने हेतु सीलिंग फैन को भी स्कूल मैनेजर को सौंपा गया। इस दौरान सचिव वंशिका जी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में जेसीआई जौनपुर के कार्य करने के तरीके की खूब सराहना किया। साथ ही उनके उत्कृष्ट प्रभावशाली व योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने वाले आयोजकों की प्रशंसा करते हुये बताया कि जेसी का विस्तार जौनपुर और अधिक संख्या में किया जा सकता है। इस दौरान समस्त सदस्यों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पिन देकर सम्मानित किया। वहीं अध्यक्ष सरला महेश्वरी ने अपने द्वारा किये गये कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत किया जिसकी प्रशंसा राष्ट्रीय अध्यक्ष, मण्डलाध्यक्ष तथा जोन उपाध्यक्ष द्वारा की गयी। समापन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष, मण्डलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पालघर में बाबा साहब बेडकर जयंती का आयोजन

पालघर। पालघर जिले के वाडा में भीम जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हेमंत सावरा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन सिद्धार्थ युवक मित्र मंडल, वाडा द्वारा किया गया था। इस अवसर पर डॉ. सावरा ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को समाज के लिए मार्गदर्शक बताया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों और युवाओं के साथ संवाद करते हुए बाबासाहेब के समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और समाजसेवी उपस्थित रहे। डॉ. सावरा ने कहा कि बाबासाहेब के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके आदर्शों को अपनाकर एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करना चाहिए। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और एकता का माहौल देखने को मिला।

मॉर्डन कान्वेंट स्कूल का हाईस्कूल परिणाम शत- प्रतिशत, विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, विद्यालय के टॉपर्स ने 78% प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम किया रोशन

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मॉर्डन कान्वेंट स्कूल, खेतासराय (जनपद जौनपुर) का सीबीएसई बोर्ड कक्षा-10 सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के टॉपर्स ने 78% प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अन्य विद्यार्थियों में अमीमा (78%), जोया इमरान (76%), जोहा फातिमा (74%), जैनब (68%), अरिहा शेख (76%), फजीलत (76%) एवं फातिमा अफीरा (78%) ने भी अच्छे अंक हासिल किए।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. आबिद खान ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सीबीएसई 10वीं में अनुष्का सिंह ने हासिल किए 95.5% अंक, क्षेत्र में खुशी की लहर माता-पिता व ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत, दी शुभकामनाएं

दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के विषेशरपुर (साईनाथ) गांव निवासी अनिल कुमार सिंह मुन्ना (अध्यापक) की पुत्री अनुष्का सिंह ने सीबीएसई कक्षा-10 की परीक्षा में 95.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। एमयूएस पब्लिक स्कूल, लखौवां की छात्रा अनुष्का सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने सभी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षकों, परिजनों एवं क्षेत्रीय लोगों ने अनुष्का सिंह का माल्यार्पण कर तथा मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया। सभी ने उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अध्यापक अनिल कुमार सिंह, कुलदीप सिंह, सुशील सिंह, पंकज विश्वकर्मा, लल्लू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे और अनुष्का सिंह व उनके परिवार को बधाई दी।

सन्दहाँ में लगा विशाल रक्तदान शिविर, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के ग्राम सन्दहाँ मोहल्ला सेवक नगर में बाबा भक्त संत सेवक दास जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। शिविर में जहेन्द्र प्रताप, चंदा देवी, सुभाष, मनोज, राज (गौरक्षक), विपिन, ओमप्रकाश, गुड्डू एवं सुरेन्द्र प्रताप सहित कई लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। जहेन्द्र प्रताप ने अब तक 21 बार रक्तदान कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में चिकित्सकीय सहयोग डॉ. जे.पी. दूबे एवं उनकी टीम द्वारा दिया गया, जबकि आर.के. हॉस्पिटल ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर, शाहगंज के ब्लड बैंक इंचार्ज विशाल राय की देखरेख में रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर श्री गणेशजी बालोद्यान विद्यालय के प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी एवं अमित तिवारी (एडवोकेट) का विशेष योगदान रहा। शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया गया और ह्लरक्तदान महादानह्व का संदेश दिया गया।

लावारिस शव मिलने से मचा हड़कंप, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

मो. इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित पुरानी जेल के सामने बंधे पर गुरुवार को लगभग तीन बजे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की।

सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस, सिविल लाइन पुलिस चौकी व रोडवेज पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक की उम्र लगभग 36 वर्ष आंकी जा रही है। शव का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। मामले की जांच जारी है।

श्रमजीवी संगठन को देवेंद्र फडणवीस द्वारा 6 एम्बुलेंस सुपुर्द

वसई रोड। महाराष्ट्र के दूर-दराज और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज मुंबई स्थित वर्षा (मुख्यमंत्री निवास) में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर भाजपा ग्रुप लीडर प्रवीण दारेकर तथा स्वर्गीय लीला राम जांगिड़ चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से 6 एम्बुलेंस का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कर-कमलों द्वारा किया गया।

देवाभाऊ एम्बुलेंस सर्विसह्व के अंतर्गत ये एम्बुलेंस राज्य के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में संचालित की जाएंगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, विधायक प्रवीण दारेकर, रायगढ़ प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. यश प्रवीण दारेकर, मुंबई डिस्ट्रिक्ट बैंक के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, श्रमजीवी संगठन के महासचिव बलराम भोईर सहित विजेंद्र कुमार और मयंक शेठ उपस्थित थे। इस पहल के तहत नंदुरबार में शांताई ट्रस्ट, चंद्रपुर-गढ़चिरौली में द रिसर्च ऑर्गनाइजेशन, पालघर में श्रमजीवी संगठन, शहापुर और नेशनल पार्क क्षेत्रों के आदिवासी पाड़ों तथा रायगढ़ जिले में कालकाई सोशल ऑर्गनाइजेशन सहित कुल 6 संस्थाओं को एम्बुलेंस प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, रायगढ़ प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. यश प्रवीण दारेकर की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रत्येक संस्था को एम्बुलेंस के रखरखाव हेतु 1 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक भी प्रदान किए। यह उम्मीद जताई गई कि यह पहल आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

वसई में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पर प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित

वसई रोड। वसई वेस्ट स्थित वसई विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एम्प्लॉइज सेटलमेंट, नर्सरी बाग (जी.जी. कॉलेज के सामने) में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

यह कार्यक्रम प्राथमिक बुद्ध विहार संस्था, वसई वेस्ट द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें बहुजन महापुरुषों की संयुक्त जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों, पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान महापुरुषों के विचारों को याद करते हुए समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने डॉ. आंबेडकर के विचारों को आज के समय में भी प्रासंगिक बताते हुए समाज को संगठित और जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर वसई नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, कॉर्पोरेटर श्रीमती शुभांगी पाटिल, श्रीमती अलका गमजा सहित संतोष काकड़, चेतन वर्षिकर, श्रीमती साधना पाटिल, काशीनाथ वैती, मयंक ठक्कर, श्रीमती प्रमिला गैर, अमित पवार, राजेश राठौड़, जितेंद्र ठक्कर, उमेश मुंडले, जेम्स गोंसाल्वेस, अविनाश भोईर, प्रतीक चौधरी, पुंडलिक राठौड़ और अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य संदेश डॉ. आंबेडकर के प्रसिद्ध मंत्र सीखो, संगठित हो और संघर्ष करो पर आधारित रहा, जो आज भी समाज को प्रगति और परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करता है।

बीएचयू में नारी सशक्तिकरण की गूंज: 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के समर्थन में मानव श्रृंखला व पदयात्रा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के समर्थन में भव्य मानव श्रृंखला और पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं और आमजन में महिला सशक्तिकरण तथा समान अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह और छात्र अधिष्ठाता प्रो. रंजन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं और उन्हें सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करते हैं। मानव श्रृंखला और पदयात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने महिला अधिकार, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय से जुड़े नारों के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने का प्रयास किया। परिसर में निकाली गई इस पदयात्रा ने न केवल छात्रों के बीच उत्साह का संचार किया, बल्कि उपस्थित लोगों को भी इस महत्वपूर्ण अधिनियम के प्रति जागरूक किया। छात्र-छात्राओं ने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया, जिनमें समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें बराबरी का दर्जा देने की अपील की गई।

डालिम्स सनबीम स्कूल का हाईस्कूल परिणाम शत-प्रतिशत, विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन टॉपर्स ने 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम किया रोशन

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डालिम्स सनबीम स्कूल, हमाम दरवाजा जौनपुर का सीबीएसई बोर्ड कक्षा-10 सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल व्याप्त है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। परीक्षा में स्वरित चौरसिया ने 97.2 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं निवेदिता दुबे ने 97.0 प्रतिशत तथा तेजस अग्रहरि ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर अपना स्थान सुनिश्चित किया। इसके अलावा अरीबा मुख्तार एवं मो.अफरीदी सिद्दीकी ने 95.6 प्रतिशत, श्रुति यादव ने 95.4 प्रतिशत, मानस चौरसिया ने 94.5 प्रतिशत तथा इब्राहिम अयान खान एवं अमीना बेगम ने 94.0 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य प्रमुख विद्यार्थियों में हयात फातिमा (93.0%), अथर्व साहू (92.4%), मयंक अस्थाना (92.2%), आयत रिजवी (92.0%), अहद फरीद (91.8%), खुशी प्रजापति (91.4%) एवं अरीबा नूर (91.2%) ने भी शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रशासन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग को इस सफलता का प्रमुख आधार बताया गया।

लॉर्ड बुद्धा नेशनल पब्लिक स्कूल सरायवीका के मेधावी छात्रों ने लहराया परचम

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मछलीशहर क्षेत्र के सरायवीका स्थित लॉर्ड बुद्धा नेशनल पब्लिक स्कूल में उस समय खुशी का माहौल छा गया, जब सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ और विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया।

विद्यालय के मेधावी छात्र भवनेंद्र विक्रम ने 97% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं राज यादव (96.4%), प्रथम त्रिपाठी (94%), आयुष दुबे (92%), दीपांशी यादव (91%), साक्षी मौर्या (90%), दीपांशु यादव (90%) एवं अमन शुक्ला (90%) ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

अन्य छात्रों में ऋषि वंजस (89.2%), कार्तिकेय पटेल (88.2%), अपेक्षा सिंह (87.6%), आर्यन श्रीवास्तव (87%), आकृति दुबे (86.2%), साक्षी जायसवाल (86%) तथा जानवी सिंह (85%) ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. जयप्रकाश दूबे एवं प्रधानाचार्य सब्यसाची त्रिपाठी ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर व माल्यार्पण कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग को दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और सभी ने मेधावी छात्रों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

शाओमी ने भारत में नई एस मिनी एलईडी टीवी सीरीज लॉन्च की

पटना(उत्तरशक्ति)। शाओमी इंडिया ने भारत में अपनी नई शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज लॉन्च की है, जो कंपनी की पहली मिनी एलईडी टीवी श्रृंखला है। यह सीरीज बेहतर होम एंटरटेनमेंट अनुभव देने के उद्देश्य से पेश की गई है। नई सीरीज में क्यूडी मिनी एलईडी तकनीक, 1200 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस और 4के अल्ट्रा एचडी रेजोल्यूशन दिया गया है, जिससे गहरे काले रंग, बेहतर कंट्रास्ट और अधिक स्पष्ट दृश्य मिलते हैं। साथ ही डॉल्बी विजन, एचडीआर10 प्लस और फिल्ममेकर मोड जैसे फीचर्स कंटेंट को वास्तविक रूप में दिखाते हैं। स्मूद परफॉर्मेंस के लिए टीवी में 120 हर्ट्ज सपोर्ट, एमईएमसी और ऑटो लो लेटेंसी मोड की सुविधा दी गई है, जो गेमिंग और स्पोर्ट्स के अनुभव को बेहतर बनाती है। ऑडियो के लिए 34 वॉट क्वाड-स्पीकर सिस्टम के साथ डॉल्बी ऑडियो और डीटीएस:एक्स का सपोर्ट मिलता है। यह सीरीज 55, 65 और 75 इंच स्क्रीन साइज में उपलब्ध होगी। इसकी बिक्री 22 अप्रैल 2026 से शुरू होगी, जबकि प्री-बुकिंग जारी है। अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफि सर, शाओमी इंडिया ने कहा कि जैसे-जैसे स्क्रीन बड़ी होती जा रही हैं और हाई-क्वालिटी कंटेंट तक पहुंच बढ़ती जा रही है, दर्शकों की पिक्चर क्वालिटी से उम्मीदें भी बढ़ रही हैं।

मराठा क्रांति स्वराज्य संगठन के उपाध्यक्ष बने गुरुदेव दत्तात्रय झेंडे

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता और खार निवासी गुरुदेव दत्तात्रय झेंडे को मराठा क्रांति स्वराज्य संगठन, महाराष्ट्र का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से क्षेत्र में खुशी की लहर है और सामाजिक कार्यकताओं ने इसे संगठन के लिए एक सकारात्मक कदम बताया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष दानंदराव भोसले, राष्ट्रीय अध्यक्ष विजयराव कदम, राष्ट्रीय महासचिव दीप मोरे सहित गुरुनाथ शंकरराव, अभिजीत दरेकर, प्रकाशराव चव्हाण और डॉ. चंद्रकांत तुलसीराम जाड की अनुशंसा पर संगठन के रोजगार एवं उद्योग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय तिडके ने की। अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए गुरुदेव दत्तात्रय झेंडे ने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी दी है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का जनाधार बढ़ाने और समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए वे पूरी मेहनत करेंगे। गौरतलब है कि झेंडे पिछले 24 वर्षों से शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) पार्टी की खार स्थित शाखा क्रमांक 100 के शाखा प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। क्रीड़ा, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में झेंडे का उल्लेखनीय योगदान रहा है। मुंबई और पुणे में उनका व्यापक जनसंपर्क है और उन्होंने कई समाजोपयोगी कार्यों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। विशेष रूप से अनाथ बच्चों के लिए किए गए उनके कार्यों की आज भी सराहना की जाती है। झेंडे की नियुक्ति पर गजाननराव सालुंखे, ठाणे जिला प्रवक्ता प्रा. अर्जुन सांगले, राजेंद्र माने पाटील, रायगढ़ जिला अध्यक्ष अजय पडवल, रत्नागिरी जिला संपर्क प्रमुख महेशराव मोरे, जिला अध्यक्ष कृष्णा शेलार और आरती दलवी सहित संगठन के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

संजय निषाद और बाबा दुबे की मुलाकात से बदली बदलापुर की राजनीति

शिवपूजन पांडे

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में उस समय राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई, जब उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने पूर्व विधायक बाबा दुबे से उनके आवास बाबा कुंज पर मुलाकात की। इस मुलाकात ने क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दे दिया है। गौरतलब है कि बाबा दुबे ने पिछला विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के टिकट पर लड़ा था और बेहद कम अंतर से हार का सामना किया था। लोकसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण को लेकर असंतोष जताते हुए उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर यह सवाल बना हुआ है कि वे किस दल से चुनाव मैदान में उतरेंगे।

सूत्रों के अनुसार, बाबा दुबे लगातार जन विश्वास यात्रा के माध्यम से जनता के बीच सक्रिय बने हुए हैं और उनका चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं, संजय निषाद की पार्टी, भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी है, जिससे इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निषाद पार्टी आगामी चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर रणनीति बना रही है और शाहगंज के मुकाबले बदलापुर सीट को ज्यादा सुरक्षित विकल्प के रूप में देख सकती है। शाहगंज में पिछले चुनाव में जीत का अंतर बेहद कम रहा था, जिससे वहां की स्थिति अनिश्चित मानी जा रही है।

वहीं, समाजवादी पार्टी भी अपने पीडीए समीकरण के जरिए बदलापुर में नई सामाजिक रणनीति पर काम कर सकती है, जिससे मुकाबला और रोचक होने की संभावना है। ऐसे में सभी दल इस सीट पर खास नजर बनाए हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबा दुबे ने कहा कि यह मुलाकात पूरी तरह से मित्रवत थी और विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

इंदौर में घर में पड़ा रहा शव, चूहों ने कतरा

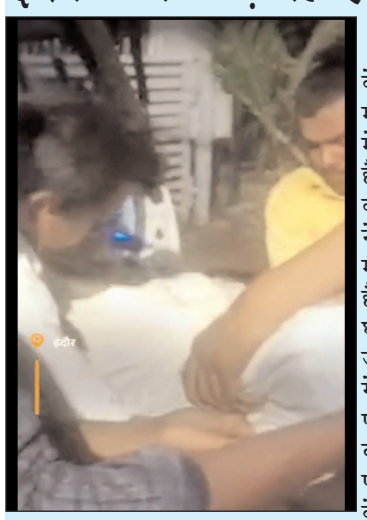

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के चंदन नगर इलाके में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक का शव उसके घर में कई दिनों से पड़ा था। जिसे चूहों ने बुरी तरह कुतर दिया था। मृतक शराब पीने का आदी था। हैरानी की बात यह है कि घटना का खुलासा तब हुआ, जब गली में खेल रहे बच्चे गेंद लेने उसके घर के अंदर पहुंचे। शोर मचाने पर पड़ोसी वहां पहुंचे और मामले का पता चला। चंदन नगर पुलिस के अनुसार घटना नंदन नगर की है। यहां रहने वाले छगन नामक छगन (65) का शव उसके घर में लावारिस हालत में मिला। बुधवार शाम को बच्चे गली में क्रिकेट खेल रहे थे, तभी गेंद छगन के घर में चली गई। बच्चे जब गेंद लेने अंदर पहुंचे तो वहां शव पड़ा मिला और आसपास चूहे घूम रहे थे। इसके बाद तुरंत आसपास के लोगों को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि शव काफी समय से पड़ा होने के कारण चूहों ने आंखों, चेहरा सहित शरीर के कई हिस्सों को कुतर दिया था, जिससे शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था। फिलहाल मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मामले की जानकारी मिलने पर छगन के परिजनों को सूचित किया गया, लेकिन कोई मौके पर नहीं पहुंचा। बाद में उसका भांजा गज्जू वहां आया और शव को जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया गया। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

बाबा साहब की जयंती पर आपसी एकता का संकल्प, महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थापित होंगे पुतले

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस वर्ष कई उत्तर भारतीय संस्थाओं ने एकजुट होकर समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने और बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। साथ ही महत्वपूर्ण स्थलों पर बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित करने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उत्तर भारतीय समाज द्वारा महामानव महा अभिवादन समारोह का भव्य आयोजन नवी मुंबई स्थित सीवुड स्टेशन के समीप बिहार भवन में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ बाबासाहब आंबेडकर विचार मंच एवं विश्व यादव संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि जगन्नाथ अप्पा शिंदे ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में संविधान का दुरुपयोग किया जा रहा है और राजनीति में जाति-धर्म के नाम पर समाज को बांटने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब द्वारा दिए गए समानता के अधिकार पर लगातार आघात हो रहा है, जिसे रोकना आवश्यक है। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. एन. यादव ने कहा कि यह समारोह केवल बाबा साहब को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके द्वारा दिखाई गई क्रांतिकारी विचारधारा को अपनाने का संकल्प दिवस है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त करने के लिए हम सभी को शिक्षित बनना, एकजुट रहना और संघर्ष करना होगा। साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण स्थानों पर बाबा साहब की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने मोतीलाल यादव के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विशेष अतिथियों में डॉ अनंत हर्षवर्धन, कैलाश सरकटे सहित विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीनानाथ यादव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रियाज मलिक एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

काशीमीरा में खतरनाक पेड़ों की छंटाई की मांग, नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीगांव क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 में खतरनाक रूप से बढ़ चुके पेड़ों की छंटाई को लेकर संबंधित विभाग को औपचारिक रूप से निवेदन प्रस्तुत किया गया है। बताया गया है कि कई पेड़ों की शाखाएं अत्यधिक फैल चुकी हैं, जो विशेष रूप से आगामी मानसून और तेज हवाओं/तूफानों के दौरान गिरने का खतरा पैदा कर सकती हैं। इससे क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। निवेदन में मांग की गई है कि संभावित दुर्घटनाओं को टालने के लिए इन खतरनाक पेड़ों की जल्द से जल्द छंटाई कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। यह पहल स्थानीय पार्षद यशोदा अनिल ताटे के प्रयासों से की गई है। मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे ने कहा कि हमारे क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आदित्य शशिकांत मिश्रा को 10वीं में 81: 8 प्रतिशत मिलने पर लोगों ने दी बधाई

सतना (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश बोर्ड के 10वीं एवं 12वीं के परिणामों में शासकीय व्यंकट क्र - 1 विद्यालय सतना का शानदार प्रदर्शन रहा जिसमें दोनों कक्षाओं में 97% से अधिक विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। कक्षा 10वीं की प्राची कुशवाहा ने राज्य मेरिट में 8वां स्थान प्राप्त की है। वहीं आदित्य शशिकांत मिश्रा ने 81: 8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर परिवार में खुशी की लहर फैल गई है। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश सिंह बघेल ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। आदित्य मिश्रा के पिता शशिकांत मिश्रा, मां साधना मिश्रा, ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। उनके पैतृक गांव पवॉरा बाजार में दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार काका विष्णु कांत मिश्रा (कलेक्टर), काकी आरती मिश्रा, रंजू मिश्रा, दादी सावीत्री मिश्रा, लीलावती मिश्रा, दादा ब्रह्मदेव मिश्रा ने मुंह मिठा कराया है। और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। बड़े भाई रीशू तिवारी, यशू मिश्रा, अक्षिता, मधु, निष्ठा मिश्रा, रितिका, गुड़िया तिवारी, चेतरिया बनकट के भावी प्रधान रमाजीत तिवारी भूअर, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

एमएसएन लेबोरेटरीज ने सेमाबेस्ट लॉन्च किया

पेटेंट समाप्ति के बाद भारत में निर्मित पहला एकीकृत सेमाग्लूटाइड

मुंबई। एमएसएन लेबोरेटरीज ने आज केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से मंजूरी मिलने के बाद भारतीय बाजार में अपने सेमाग्लूटाइड ब्रांड सेमाबेस्ट के लॉन्च की घोषणा की। यह उपलब्धि टाइप 2 डायबिटीज सहित दीर्घकालिक मेटाबोलिक बीमारियों के लिए उन्नत उपचारों की पहुंच बढ़ाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। सेमाबेस्ट की कीमत नवप्रवर्तक (इननोवेटर) दवा की तुलना में लगभग 50% कम रखी गई है, जिससे यह अधिक किफायती बनती है और मरीजों की पहुंच बढ़ती है। यह थेरेपी सबक्यूटेनियस (त्वचा के नीचे) देने के लिए प्री-फिल्ड पेन के रूप में उपलब्ध है। 20 मार्च 2026 के बाद से बाजार में कई नए खिलाड़ियों की एंट्री देखने को मिली है। इस बदलते परिदृश्य में सेमाबेस्ट अपनी मजबूत बैकवर्ड इंटीग्रेशन के साथ अलग पहचान बनाता है, जिसमें इन-हाउस USDMF-ग्रेड API और फॉर्मुलेशन शामिल हैं। इसका पेन डिवाइस भी भारत में ही निर्मित है और वैश्विक नियामक मानकों का पालन करता है। सेमाबेस्ट जटिल पेप्टाइड थेरेपी को भारतीय मरीजों के लिए अधिक सुलभ, किफायती और बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमएसएन लेबोरेटरीज की हेड - मेडिकल अफेयर्स, डॉ. कामिनी देसाई ने कहा, इस उत्पाद ने रेफरेंस (इननोवेटर) दवा के साथ बायोइक्विवेलेंस प्रदर्शित किया है, जिसे प्रत्यक्ष तुलना में किए गए फेज-क्क्क्क क्लिनिकल स्टडीज के माध्यम से और प्रमाणित किया गया है। परिणामों में लुअ1 स्तर में समान कमी देखने को मिली, साथ ही फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज, पोस्टप्रांडियल ग्लूकोज (PPG) और वजन घटाने जैसे प्रमुख मानकों पर भी तुलनीय परिणाम सामने आए। सेमाबेस्ट का सुरक्षा प्रोफाइल भी समान रहा, जो इसे एक प्रभावी उपचार विकल्प के रूप में विश्वसनीय बनाता है।

एमएसएन लेबोरेटरीज के संस्थापक एवं सीएमडी, डॉ. एमएसएन रेड्डी ने कहा, सेमाबेस्ट का लॉन्च अगली पीढ़ी की मेटाबोलिक थेरेपी को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। डायबिटीज का बढ़ता बोझ हमें उच्च गुणवत्ता और नवाचार आधारित समाधान प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है, जो मरीजों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकें।

रेकॉन ने लॉन्च किया मंगलमय दीप व लैम्प ऑयल, अब क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध

नवी मुंबई। रेकॉन ऑयल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, जो प्रीमियम खाद्य एवं लैम्प ऑयल के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, ने अपने लोकप्रिय मंगलमय दीप/लैम्प ऑयल को अब जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और बिग बास्केट जैसे क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। यह तेल पारंपरिक भारतीय घरों में पूजा-पाठ के लिए विशेष रूप से उपयोग किया जाता है। इस विस्तार के साथ मंगलमयअब हैदराबाद, पुणे, मुंबई, नवी मुंबई, नागपुर, विशाखापट्टनम, गुरुग्राम, विजयवाड़ा, अहमदाबाद, रायपुर, वडोदरा, सूरत, नोएडा और दिल्ली सहित कई शहरों में आसानी से उपलब्ध होगा। इससे हर दिन मंगलमयका संदेश और भी सशक्त होगा। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ यह साझेदारी रेकॉन के उस उद्देश्य का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी प्रकृति की शुद्धता को लोगों के दैनिक जीवन तक पहुंचाना चाहती है। अब पूजा से संबंधित आवश्यक वस्तुएं कुछ ही मिनटों में घर तक पहुंच सकेंगी, जिससे उपभोक्ताओं को सुविधा और भरोसा दोनों मिलेगा। मंगलमय ने अपनी श्रेणी में एक विश्वसनीय पहचान बनाई है। यह विस्तार विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में इसकी पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां लोग नियमित पूजा सामग्री आसानी से प्राप्त करना चाहते हैं। इस दीप/पूजा ऑयल को पारंपरिक विधियों के अनुरूप तैयार किया गया है। यह साफ और स्थिर रूप से जलता है, कम धुआं और कालिख उत्पन्न करता है तथा वातावरण को शांत और पवित्र बनाए रखता है। यह दैनिक पूजा के साथ-साथ त्योहारों और विशेष अवसरों के लिए भी उपयुक्त है। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने अपनी उपलब्धता जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और बिग बास्केट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ाई है। अब मंगलमय कुछ ही मिनटों में घर तक पहुंच सकता है, जिससे समय की बचत होती है और गुणवत्ता भी सुनिश्चित रहती है।

डॉक्टर और इंजीनियर बनने की मजबूत शुरूआत: तिवारी सरस्वती क्लासेज

विज्ञान शिक्षा का भविष्य: तिवारी सरस्वती क्लासेज की नई उड़ान

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी

मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में विज्ञान शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब प्रतिस्पर्धा केवल परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्कृष्टता, विश्लेषणात्मक क्षमता, करियर-निर्माण और वैश्विक अवसरों तक पहुँचने की दौड़ बन चुकी है। ऐसे समय में केवल मेहनत पर्याप्त नहीं होती; सफलता उसी को मिलती है, जो सही दिशा में, सही मार्गदर्शन के साथ, निरंतर प्रयास करता है। इसी बदलते शैक्षिक परिदृश्य में तिवारी सरस्वती क्लासेज एक ऐसे संस्थान के रूप में उभरा है, जो केवल परीक्षाओं में अच्छे परिणाम नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य की ठोस नींव तैयार करता है। यह संस्थान शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित नहीं मानता, बल्कि उसे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, करियर और जीवन-सफलता से जोड़कर देखता है।

दृष्टि और नेतृत्वः प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी

तिवारी सरस्वती क्लासेज के डायरेक्टर प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी शिक्षा जगत का एक प्रतिष्ठित, विश्वसनीय और प्रेरक नाम हैं। राज्य पुरस्कार से सम्मानित डॉ. तिवारी केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि दूरदर्शी शिक्षाविद् और प्रभावी करियर-मार्गदर्शक हैं। उनके नेतृत्व में हजारों विद्यार्थियों ने अपने जीवन की दिशा बदली है और अपने सपनों को साकार किया है।

संस्थान की उपलब्धियाँ स्वयं इसकी विश्वसनीयता की कहानी कहती हैं

* 200 से अधिक विद्यार्थी विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर विदेश में अच्छा अच्छे पदों पर कार्य कर रहे हैं।
* अनेक विद्यार्थियों को 1 से 5 करोड़ रुपये तक के वार्षिक पैकेज प्राप्त हुए हैं।
* लगभग 500 डॉक्टर और 3000 इंजीनियर इस संस्थान से निकल चुके हैं।
* वर्ष 2025 में 17 विद्यार्थी डॉक्टर बने और 67 विद्यार्थी इंजीनियर बने।

डॉ. तिवारी का स्पष्ट मानना है कि हमारा उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि जीवन में सफलता सुनिश्चित करना है।

वास्तव में, डॉक्टर और इंजीनियर बनने की आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए तिवारी सरस्वती क्लासेज एक सशक्त प्रवेशद्वार बन चुका है।

2025 के परिणामः भविष्य की मजबूत नींव

NEET 2025- उल्लेखनीय सफलता

सी. विश्वनाथ
* 720 में से 577 अंक
* ऑल इंडिया रैंकः 3960
* श्रेणी रैंक (SC): 90

उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन, टेस्ट-सीरीज और योजनाबद्ध तैयारी किसी भी विद्यार्थी को उसके लक्ष्य तक पहुँचा सकती है।

उनके शब्दों में तिवारीस सरस्वती क्लासेस के 18 मॉड्यूल्स, टेस्ट सीरीज और अनुशासन ने मुझे MBBS तक पहुँचाया।

MHT-CET 2025 -उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों की संख्या बहुत है।
* निधि अरुण गुप्ता – PCB 99.29 प्रतिशत
* ईश्वरी नारायण दुर्गडे – PCM 96.91 प्रतिशत
* सार्थक सुरेश खोदाडे – PCM 97.67 प्रतिशत
* अनुराग काशीप्रसाद वैश्या – PCM 98.62 प्रतिशत

इन परिणामों ने यह सिद्ध किया है कि तिवारी सरस्वती क्लासेज विद्यार्थियों को केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी माहौल में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करता है।

MHT-CET2025 -चयनित विद्यार्थी
* अनुराग काशीप्रसाद वैश्य
* सार्थक सुरेश खोदाडे
* आयुष बिनायक बारई

इन विद्यार्थियों की सफलता यह दशार्ती है कि संस्थान का शैक्षणिक वातावरण, नियमित मूल्यांकन और विषयगत पकड़ विद्यार्थियों को कठिन से कठिन प्रतियोगी परीक्षा में भी सफल बना सकती है।

विद्यार्थियों का अनुभव स्वयं इसकी पुष्टि करता है। सफलता का पूरा श्रेय यहाँ के मार्गदर्शन और वातावरण को जाता है।

HSC बोर्ड 2025- विज्ञान में उत्कृष्टता
* कामटेकर शुभम चंद्रशेखर – जीवविज्ञान 97% रूपारेल कॉलेज में प्रथम तथा बोर्ड में चौथा स्थान
* निधि अरुण गुप्ता – जीवविज्ञान 96% साठे कॉलेज में द्वितीय तथा बोर्ड में पाँचवाँ स्थान
* बियांका कुटिन्हो – जीवविज्ञान 93% और PCM 84% सेंट जेवियर्स कॉलेज
* हर्ष सुनील मोरे – जीवविज्ञान 91% और PCM 89% SIES कॉलेज
* सावंत प्रथम महेश – जीवविज्ञान 91% और PCM 88% गुरुकुल कॉलेज में प्रथम

ये परिणाम केवल अंकों की सूची नहीं हैं, बल्कि उस शैक्षणिक संस्कृति का प्रतिबिंब हैं, जहाँ मेहनत, अनुशासन, सतत मार्गदर्शन और सही रणनीति को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है।

भविष्य की रणनीतिः शिक्षा में नवाचार

यदि सपना डॉक्टर या इंजीनियर बनने का है, तो शुरूआत सही स्थान से होनी चाहिए। तिवारी सरस्वती क्लासेज की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ शिक्षा केवल पारंपरिक तरीके से नहीं दी जाती, बल्कि आधुनिक आवश्यकताओं और नई शिक्षा-नीति के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार किया जाता है।

संस्थान की प्रमुख विशेषताएँ हैं।
* Concept और Application आधारित शिक्षण
* नियमित टेस्ट और गहन विश्लेषण
* डिजिटल टेस्ट और प्रगति ट्रैकिंग
* नई शिक्षा नीति आधारित शिक्षण-पद्धति
* 8वीं से 10वीं तक फाउंडेशन बैच

यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को केवल प्रश्न हल करना नहीं सिखाता, बल्कि विषय को समझने, उसका प्रयोग करने और प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव में भी संतुलन बनाए रखने की क्षमता देता है।

टेक्नोलॉजी और व्यक्तिगत मार्गदर्शन का समन्वय

आज की शिक्षा में तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। तिवारी सरस्वती क्लासेज इस आवश्यकता को समझते हुए आधुनिक शिक्षण संसाधनों का प्रभावी उपयोग करता है। यहाँ विद्यार्थियों को मिलता है–
* स्मार्ट क्लासरूम
* ऑडियो-विजुअल शिक्षण
* सीमित बैच
* व्यक्तिगत ध्यान और निरंतर मार्गदर्शन

छोटे बैच और व्यक्तिगत निगरानी संस्थान की सबसे बड़ी ताकत हैं। इससे प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति, कमजोरी और क्षमता को समझकर उसे विशेष मार्गदर्शन दिया जाता है।

ग्लोबल विजन के साथ करियर निर्माण

तिवारी सरस्वती क्लासेज की सोच केवल स्थानीय सफलता तक सीमित नहीं है। संस्थान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए भी तैयार करता है। यही कारण है कि यहाँ शिक्षा के साथ-साथ निम्न बातों पर भी विशेष बल दिया जाता है।
* विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन
* स्कॉलरशिप और करियर प्लानिंग
* अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए तैयारी
* एप्टीट्यूड टेस्ट
* करियर काउंसलिंग
* अभिभावक मार्गदर्शन

संस्थान यह भलीभाँति समझता है कि विद्यार्थी की सफलता केवल उसकी मेहनत से नहीं, बल्कि परिवार, शिक्षक और संस्थान के संयुक्त प्रयास से सुनिश्चित होती है।

विश्वास, परिणाम और भविष्य का संगम

तिवारी सरस्वती क्लासेज आज केवल एक कोचिंग संस्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का एक सशक्त मंच बन चुका है। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में इस संस्थान ने अपनी पहचान एक ऐसे विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित की है, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व और करियर का निर्माण करना है।

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी के नेतृत्व में यह संस्थान वर्षों से निरंतर उत्कृष्ट परिणाम देता आ रहा है। यहाँ की सबसे बड़ी विशेषता है–अवधारणा-आधारित शिक्षण, नियमित टेस्ट प्रणाली, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और अनुशासित वातावरण। यही कारण है कि इस संस्थान से सैकड़ों डॉक्टर और हजारों इंजीनियर निकलकर देश-विदेश में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं।

तिवारी सरस्वती क्लासेज की शिक्षा-पद्धति विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें NEET, JEE और MHT-CET जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मानसिक, बौद्धिक और रणनीतिक रूप से तैयार करती है। यहाँ की निरंतर सफलता इस बात का प्रमाण है कि संस्थान की तैयारी प्रणाली कितनी प्रभावी, संगठित और परिणामोन्मुख है।

संक्षेप में कहा जाए तो यह वह स्थान है,

जहाँ सपनों को दिशा मिलती है,
मेहनत को सही मार्ग मिलता है,
और हर विद्यार्थी को अपनी मंज़िल तक पहुँचने का आत्मविश्वास प्राप्त होता है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक बन जाएँ और शिक्षा के साथ दूरदृष्टि जुड़ जाए, वहीं से सफलता और भविष्य–दोनों की शुरूआत होती है।

यही तिवारी सरस्वती क्लासेज की असली पहचान है। तिवारीज सरस्वती क्लासेस की दो शाखाएं हैं। सायन में गुरुकृपा होटल के सामने और सांताक्रुज पूर्व में स्टेशन के सामने और बस डिपो के पास। प्रवेश और अन्य जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 7738007373 पर संपर्क किया जा सकता है।

जोस अलुक्कास ने अक्षय तृतीया के लिए खास ऑफर्स की घोषणा की

मुंबई। भारत में गुणवत्ता, नवाचार और ट्रेंडी ज्वेलरी के क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम जोस अलुक्कास ने अक्षय तृतीया के अवसर पर कई खास ऑफर्स की घोषणा की है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 19 और 20 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी। जोस अलुक्कास में वर्तमान में बुकिंग ऑफर्स उपलब्ध हैं, जिनके तहत ग्राहक केवल 10% भुगतान करके सोने की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षा (गोल्ड रेट प्रोटेक्शन) का लाभ उठा सकते हैं। इसके माध्यम से ग्राहकों को सोने, प्लैटिनम और हीरे की ज्वेलरी की विस्तृत रेंज के साथ अधिक सुविधाजनक और लाभकारी खरीदारी का अनुभव मिलता है।

ग्राहक चुनिंदा सोने, हीरे और प्लैटिनम ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज में सीधे 50% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, सभी कलेक्शन्स पर हीरे के मूल्य पर सीधे 30% की छूट का एक विशेष ऑफर भी उपलब्ध है। साथ ही, 10 ग्राम सोने की ज्वेलरी की खरीद पर ग्राहकों को एक मुफ्त सोने का सिक्का मिलेगा। इसी प्रकार, हीरे की खरीद पर प्रति कैरेट एक मुफ्त सोने का सिक्का भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पुराने 22 कैरेट सोने के एक्सचेंज पर 0% नुकसान (कोई कटौती नहीं) की सुविधा भी उपलब्ध है। जोस अलुक्कास के मैनेजिंग डायरेक्टर, पॉल अलुक्कास ने कहा, जोस अलुक्कास में हमारे लिए अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण और उत्सवपूर्ण अवसर है, ठीक वैसे ही जैसे यह हमारे ग्राहकों के लिए है। इस वर्ष हम विभिन्न श्रेणियों में ज्वेलरी की एक आकर्षक और विविध रेंज प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें हर पसंद के लिए कुछ न कुछ विशेष है। हम हल्के वजन और समकालीन (कंटेम्पररी) डिजाइनों की बढ़ती मांग भी देख रहे हैं। हमारे विशेष रूप से तैयार किए गए ये उत्सवी ऑफर्स परंपरा और ग्राहकों की बदलती पसंद के बीच संतुलन स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिससे यह अवसर वास्तव में यादगार बन जाता है।

उत्सव के प्रमोशन के हिस्से के रूप में, सोने की ज्वेलरी खरीदने वाले ग्राहकों को प्रति ग्राम 100 का कैशबैक मिलेगा। इस कैशबैक का उपयोग 19 अप्रैल से 3 मई के बीच किया जा सकता है। हालांकि, यह ऑफर सोने के सिक्कों, सोने की ईंटों (गोल्ड बार) या चांदी की खरीद पर लागू नहीं होगा।

श्यामजी पांडेय के निधन पर शोक

मुंबई। जनपद जौनपुर के बदलापुर तहसील अंतर्गत महाराजगंज के समीप ग्राम गड़ेरिहा निवासी, अत्यंत सहज एवं सरल व्यक्तित्व के धनी श्यामजी पांडेय (68 वर्ष) का मंगलवार को मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल में हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। वे वर्तमान में मुंबई के विक्रोली पार्कसाइट में निवास कर रहे थे। उनका अंतिम संस्कार घाटकोपर स्थित राजावाड़ी श्मशान भूमि में संपन्न हुआ, जहां उनके सुपुत्र अमित पांडेय (पिंटू) ने मुखाग्नि दी। इस दौरान शोकाकुल परिजनों में अमित पांडेय, संतोष पांडेय, विनोद, सूर्यांश, प्रवीण, आशीष, देवेंद्र, अतुल, प्रफुल्ल, रवि, आशुतोष, धीरेन्द्र, वीरेंद्र पांडेय, मुन्ना पांडेय सहित अन्य परिजन उपस्थित रहे। साथ ही वरिष्ठ पत्रकार एड. आनंद शुक्ला, एड. डी.आर. मिश्र, एड. कमलेश मिश्र,शिव कुमार पांडेय, यादव, अखिलेश सिंह, विमलेश मिश्र, मनोज पांडेय, त्रिवेणी तिवारी,चंद्रमणि मिश्र, इंद्रमणि मिश्र, महेंद्र प्रसाद मिश्र,अनिलेश मिश्र,संजय मिश्र, विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, निलेश तिवारी, शैलेंद्र गुप्ता, अनिल सिंह, दीनानाथ मिश्र सहित समस्त उपस्थित जनों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

उत्तरशक्ति के पत्रकार सीनियर अधिकारी जब्बार तंबोली को जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई। लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जब्बार तंबोली के जन्मदिन के अवसर पर आज 'उत्तर शक्ति प्रेस' के पत्रकार अभिषेक शर्मा और उनके सहयोगी कल्लू जी गुप्ता ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई दी।

इस विशेष अवसर पर उत्तर शक्ति प्रेस की टीम ने सीनियर पीआई जब्बार तंबोली को जेड प्लांट भेंट किया। पत्रकार अभिषेक शर्मा ने बताया कि पुलिस और प्रेस समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। फूलों के बजाय पौधा भेंट करना न केवल सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक छोटी सी कोशिश भी है। सीनियर पीआई जब्बार तंबोली जी ने उत्तर शक्ति प्रेस की इस पहल की सराहना की और सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एलटीटी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और जन-संपर्क को और मजबूत करने जैसे विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। एक सजग पत्रकार के तौर पर अभिषेक शर्मा और कल्लू जी गुप्ता की इस गरिमापूर्ण पहल को एलटीटी स्टेशन परिसर में काफी सराहा जा रहा है।

बेतिया में मोहित एंटरप्राइजेज द्वारा एस्कॉर्ट्स कुबोटा के कंबाइंड हार्वेस्टर का सफल शुभारंभ

बेतिया। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में मोहित एंटरप्राइजेज द्वारा अपने शोरूम में एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड के अत्याधुनिक कंबाइंड हार्वेस्टर का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कंपनी के अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतिनिधि मसाशी तनाका, अत्सुया ओटा, ताकाशी नाकायामा, युकी फुरुइची, युजी कानेको एवं निलेश कदम विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही मोहित एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर मोहित शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

डीएस ग्रुप ने लिविंग बिलबोर्ड हरित वृक्षारोपण अभियान को मुंबई में शुरू किया

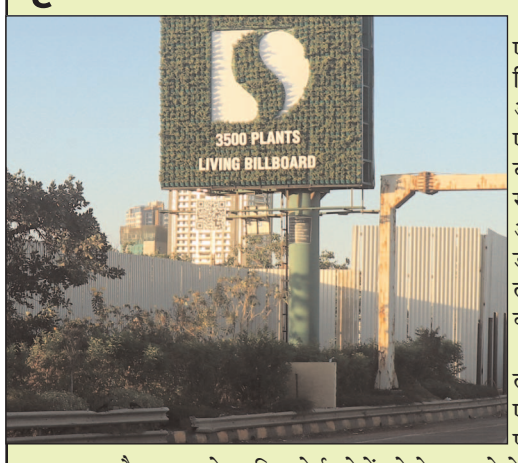

मुंबई। धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप), एक प्रमुख एफएमसीजी कंपनी और मल्टी-बिजनेस कॉर्पोरेशन, ने अपने लिविंग बिलबोर्ड अभियान को अब मुंबई में भी शुरू कर दिया है। यह एक प्रभावशाली और जागरूकता बढ़ाने वाला वृक्षारोपण अभियान है, जिसे पहले दिल्ली में सफलतापूर्वक शुरू किया गया था, और अब इसे आगे बढ़ाया गया है। यह पहल पर्यावरण के प्रति डीएस ग्रुप की निरंतर प्रतिबद्धता को दिखाती है और लोगों को हरित अभियानों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है।

इस अभियान के तहत मुंबई में लिविंग बिलबोर्ड लगाया गया है, जो 3,500 पौधों से मिलकर बना एक बड़ा हरा बोर्ड है। इसे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बांद्रा-वर्ली सीलिंक के टोल प्लाजा के पास लगाया गया है। यह अनोखा बिलबोर्ड लोगों को पेड़ लगाने के महत्व के बारे में जागरूक करता है और उन्हें पर्यावरण के लिए अच्छे कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। यह अभियान पहले दिल्ली में भी इसी तरह चलाया गया था और यह शहरों में हरियाली बढ़ाने के डीएस ग्रुप की बड़ी योजना का हिस्सा है। पर्यावरण की सुरक्षा में कॉर्पोरेट जिम्मेदारी की जरूरत को बताते हुए, डीएस ग्रुप के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने कहा, डीएस ग्रुप के लिए स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) सिर्फ एक पहल नहीं है, बल्कि एक लंबी अवधि की जिम्मेदारी है। दुनिया भर में पर्यावरण को लेकर जो अहम चर्चाएं हो रही हैं, उनके चलते अब मजबूत कदम उठाने की जरूरत है। ऐसे में हम मानते हैं कि व्यापार क्षेत्र हरित भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसकी शुरूआत लोगों में जागरूकता बढ़ाने से होती है। हमारा ह्यलिविंग बिलबोर्ड अभियान इसी दिशा में एक ठोस कदम है, जो पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और एक बेहतर, हरित भविष्य बनाने में मदद करता है।